▪ श्रावण कृष्ण - 2 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 2 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 24-07-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'अमृत काल' के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला बजट : योगी आदित्यनाथ

6 बारिश और व्रत त्योहारों के साथ सावन मास शुरू

7 मनोरंजन उद्योग में नेटवर्किंग और रिश्ते बेहद महत्वपूर्ण : सुबुल तौकीर

सीतारमण ने सातवीं बार पेश किया बजट

बजट 2024-25 में युवाओं को रोजगार, किसानों, महिलाओं, वेतनभोगियों को राहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। सरकार ने किसानों और कृषि क्षेत्र के साथ ही महिलाओं के लिए तोहफा तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने के अतिरिक्त वेतनभोगियों को मानक छूट में बढ़ोतरी देकर राहत देते हुये मंगलवार को पेश आम बजट में भारतीय अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर दर्शायी है। नयी कर व्यवस्था में मानक छूट बढ़ायी गयी है जबकि पुरानी कर व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

बजट में बदलती अर्थव्यवस्था की जरूरतों के लिए क्षेत्रवार महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं पर काम करने की योजना के साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के महत्वपूर्ण सहयोगी दलों द्वारा शासित बिहार और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों को बड़ी पूंजीगत सहायता आवंटित की गयी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजकोषीय मजबूती के लिए घोषित योजना पर कायम रहते हुये चालू वित्त वर्ष में 48.21 लाख करोड़ रुपये के व्यय की व्यवस्था की है जिसमें पूंजीगत व्यय को 11.11 लाख करोड़ रुपये से अधिक रखते हुये राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.9 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वित्त मंत्री ने केन्द्र में लगातार तीसरी बार बनी मोदी सरकार का पहला और अपना सातवां बजट पेश करते हुये कहा, अंतरिम बजट में, हमने 'विकसित भारत' के हमारे लक्ष्य के लिए एक विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत करने का वादा किया था। अंतरिम बजट में निर्धारित कार्यनीति के अनुरूप, इस बजट में सभी के लिए भरपूर अवसर का सृजन करने के लिए नौ प्राथमिकताओं के संबंध में सतत् प्रयासों की परिकल्पना की गई है।

नई ऊर्जा, सुनहरे भविष्य, नये अवसर लेकर आने वाला बजट विकसित भारत की ठोस नींव रखेगा : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आम बजट को नई उर्जा, बेहतर विकास और सुनहरे भविष्य के साथ ही रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर लेकर आने वाला बताया और कहा कि यह भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में 'उत्प्रेरक' का काम करेगा तथा विकसित भारत की ठोस नींव भी रखेगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किए 2024-25 के बजट को उन्होंने समाज के हर वर्ग को शक्ति देने वाला करार दिया और कहा कि रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन संबंधी योजना से देश में करोड़ों नये रोजगार पैदा होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, ''आज का बजट नए अवसर, नई ऊर्जा लेकर आया है। ये ढेर सारे नये रोजगार, स्वरोजगार के अवसर लेकर आया है। ये बेहतर वृद्धि (ग्रोथ) और सुनहरा भविष्य लेकर आया है। आज का बजट, भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाने और उस पूरी प्रक्रिया में उत्प्रेरक का काम करेगा, विकसित भारत की एक ठोस नींव रखेगा।''

नई कर व्यवस्था में नौकरीपेशा लोगों को राहत, मानक कटौती बढ़ाकर 75,000 रुपए

- तीन लाख रुपए तक की आय को आयकर से छूट मिलती रहेगी।
- तीन से सात लाख की आय पर पांच प्रतिशत
- सात से 10 लाख की आय पर 10 प्रतिशत
- 10-12 लाख की आय पर 15 प्रतिशत
- 12-15 लाख की आय पर 20 प्रतिशत
- 15 लाख से अधिक की आय पर पहले की तरह 30 प्रतिशत आयकर लगता रहेगा।

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को आयकर प्रावधानों में कुछ बदलावों की घोषणा करते हुए मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों को राहत दी। मानक कटौती को 50 प्रतिशत बढ़ाकर 75,000 रुपये करने और नई कर व्यवस्था के तहत कर स्लैब में बदलाव का प्रस्ताव बजट में रखा गया।

सीतारमण ने कहा कि बजट में किये गये बदलावों से नई कर व्यवस्था अपनाने वाले कर्मचारियों को 17,500 रुपये तक की कर बचत हो सकती है।

वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए मानक कटौती की सीमा 50,000 रुपये से बढ़ाकर 75,000 रुपये सालाना करने का प्रस्ताव किया गया है। इसी तरह पेंशनधारकों के लिए पारिवारिक पेंशन पर कटौती को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये का भी प्रस्ताव है।

नई आयकर व्यवस्था के तहत कर के नए स्लैब एक अप्रैल, 2024 (आकलन वर्ष 2025-26) से प्रभावी होंगे।

सीतारमण ने कहा कि नई व्यवस्था के तहत तीन लाख रुपये तक की आय को आयकर से छूट मिलती रहेगी।

प्रस्ताव के मुताबिक, तीन से सात लाख रुपये की आय पर पांच प्रतिशत, सात से 10 लाख रुपये की आय पर 10 प्रतिशत और 10-12 लाख रुपये की आय पर 15 प्रतिशत कर लगेगा।

हालांकि, 12-15 लाख रुपये की आय पर 20 प्रतिशत और 15 लाख रुपये से अधिक की आय पर पहले की तरह 30 प्रतिशत कर लगता रहेगा।

नई आयकर व्यवस्था के मौजूदा प्रावधानों के तहत तीन से छह लाख रुपये तक की आय पर पांच प्रतिशत कर लगाया जाता है। जबकि छह से नौ लाख रुपये के बीच की आय पर 10 प्रतिशत कर लगता है।

वहीं, नौ से 12 लाख रुपये और 12 से 15 लाख रुपये के बीच की आय पर क्रमशः 15 प्रतिशत और 20 प्रतिशत कर लगता है। 15 लाख रुपये से अधिक की आय पर 30 प्रतिशत आयकर लगता है।

बच्चों के लिए पेंशन योजना 'एनपीएस वात्सल्य'

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को बच्चों के लिए नई पेंशन योजना 'वात्सल्य' शुरू करने की घोषणा की। सीतारमण ने संसद में 2024-25 का बजट पेश करते हुए कहा कि इस पेंशन योजना में माता-पिता और अभिभावक योगदान करेंगे। बच्चे के वयस्क होने पर इस योजना को एक सामान्य एनपीएस खाते में बदला जा सकेगा।

वित्त मंत्री ने सामाजिक सुरक्षा लाभ में सुधार के उपायों की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि एनपीएस के तहत नियोक्ताओं द्वारा खर्च की कटौती को कर्मचारी के वेतन के 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। इसी प्रकार, नई कर व्यवस्था का विकल्प चुनने वाले निजी क्षेत्र, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और उपक्रमों में कर्मचारियों की आय से वेतन के 14 प्रतिशत तक कटौती का प्रस्ताव किया गया है।

युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर देने के लिए योजना लाएगी सरकार

नई दिल्ली/भाषा। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पांच साल की अवधि में 500 शीर्ष कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए मंगलवार को एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इस योजना के तहत युवाओं को 5,000 रुपये प्रति माह का इंटर्नशिप भत्ता और 6,000 रुपये की एकमुश्त सहायता प्रदान की जाएगी। सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पेश करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री के पैकेज की पांचवीं योजना के तौर पर हमारी सरकार पांच साल में 500 शीर्ष कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए एक व्यापक योजना शुरू करेगी।'' इन युवाओं को 12 महीने तक वास्तविक कारोबारी परिवेश, विविध व्यवसायों और रोजगार के अवसरों का अनुभव मिलेगा।

रद्द नहीं होगी नीट यूजी 2024 परीक्षा

उच्चतम न्यायालय ने दोबारा कराने की गुहार ठुकराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने स्नातक स्तर की मेडिकल एवं अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले से संबंधित पांच मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2024 रद्द कर दोबारा आयोजित कराने की गुहार मंगलवार ठुकरा दी।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने दोबारा परीक्षा आयोजित कराने की मांग वाली याचिकाएं ठुकराते हुए कहा कि रिकॉर्ड में मौजूद आंकड़े प्रश्नपत्र के व्यवस्थित रूप से सार्वजनिक होने के संकेत नहीं देते हैं।

पीठ ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि उपलब्ध आंकड़ों की जांच में कोई सबूत नहीं मिला, जिससे यह पता चल सके की प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने समेत अन्य अनियमितताओं के पीछे परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की प्रणालिगत विफलता है। पीठ ने कहा, हमारा विचार है कि रिकॉर्ड में मौजूद तथ्यों के आधार पर इस अदालत द्वारा प्रतिपादित स्थापित सिद्धांतों के आधार पर पूरी परीक्षा को रद्द करने का आदेश देना उचित नहीं है।

पीठ ने हालांकि कहा कि यदि जांच में में लाभार्थियों की संख्या में वृद्धि का पता चलने पर काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद किसी भी स्तर पर ऐसे किसी भी विद्यार्थी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि कोई भी अभ्यार्थी इस धोखाधड़ी में शामिल पाया जाता है या लाभार्थी है, उसे नामांकन जारी रखने में किसी भी निहित अधिकार का दावा करने का अधिकार नहीं होगा।

पीठ ने कहा कि यह सच है कि नीट यूजी 2024 का प्रश्न पत्र हजारीबाग और पटना में सार्वजनिक हुआ था। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि हजारीबाग और पटना के केवल 155 विद्यार्थी ही इसके (प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने और अन्य अनियमितताओं) के लाभार्थी थे।

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वर्तमान वर्ष के लिए नए सिरे से नीट कराने का निर्देश देना इस परीक्षा में बैठने वाले करीब 24 लाख से विद्यार्थियों के लिए गंभीर परिणामों से भरा होगा।

पीठ ने यह भी कहा कि दाखिले के कार्यक्रम में व्यवधान से भविष्य में योग्य चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर प्रभाव समेत अन्य पहलुओं पर विचार करने के बाद फैसला दिया गया।

आतंकवादियों द्वारा घुसपैठ का प्रयास नाकाम, एक जवान शहीद

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में मंगलवार तड़के नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को सेना ने नाकाम कर दिया, जिस दौरान एक जवान शहीद हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'व्हाइट नाइट कोर' ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सतर्क सैनिकों ने तड़के तीन बजे बट्टल सेक्टर में घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों की गोलीबारी का माकूल जवाब देकर घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी।

कोर ने कहा, भारी गोलीबारी के दौरान एक वीर जवान घायल हो गया। अभियान जारी है। सूत्रों के अनुसार, सैनिकों को कृष्णाघाटी के बट्टल अग्रिम क्षेत्र में आतंकवादियों के समूह की गतिविधियों का पता चला और उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। सूत्रों ने बताया कि लांस नायक सुभाष कुमार भीषण मुठभेड़ में घायल हो गए और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों को भी नुकसान पहुंचा है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सैनिक का पार्थिव शरीर पोस्टमॉर्टम के बाद सेना को सौंप दिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि इलाके में तलाश अभियान शुरू कर दिया गया है। हाल के महीनों में जम्मू में आतंकी गतिविधियां बढ़ी हैं।

फर्स्ट टेक

मध्यप्रदेश के छतरपुर में नदी के टापू पर फंसे 58 लोगों को बचाया गया

छतरपुर/भाषा। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में मंगलवार शाम राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने नदी के एक टापू पर फंसे 58 लोगों को बचाया। एक अधिकारी ने बताया कि धसान नदी में यह टापू जिला मुख्यालय से 90 किलोमीटर दूर कुटोरा गांव के पास स्थित है। सब डिविजनल मजिस्ट्रेट प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि लोग टापू पर नरसिंह मंदिर के दर्शन करने आए थे और अचानक पानी का स्तर बढ़ने से वे फंस गए। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ के एक दल को बुलाया गया और रात आठ बजे तक उन्हें बचा लिया गया।

कोलकाता और ढाका के बीच मैत्री एक्सप्रेस सेवा निलंबित

कोलकाता/भाषा। कोलकाता और बांग्लादेश की राजधानी ढाका के बीच मैत्री एक्सप्रेस की सेवा का निलंबन बुधवार तक जारी रहेगा। पूर्वी रेलवे ने पड़ोसी देश से प्राप्त संदेश का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली को लेकर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन में अब तक 100 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। पूर्वी रेलवे के एक अधिकारी ने एक बयान में कहा, 'बांग्लादेश से प्राप्त संदेश' के अनुसार कोलकाता-ढाका-कोलकाता मैत्री एक्सप्रेस की सेवाएं बुधवार तक रद्द रहेंगी। मैत्री एक्सप्रेस की सेवाएं शनिवार से ही निलंबित हैं। सप्ताह में छह दिन चलने वाली यह ट्रेन रविवार को नहीं चलती है। इसके अलावा रविवार को पखवाड़े में एक बार चलने वाली कोलकाता-खुलना-कोलकाता बंधन एक्सप्रेस ट्रेन की सेवा भी रद्द कर दी गई।

भाजपा ने पत्रकार प्रदीप भंडारी को राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को चुनाव विश्लेषक और 'जन की बात' नाम से सर्वेक्षण कंपनी चलाने वाले पत्रकार प्रदीप भंडारी को पार्टी का राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया। भंडारी ने विभिन्न चैनलों के लिए एक पत्रकार के रूप में काम किया है और विधानसभा और आम चुनावों के दौरान नियमित रूप से सर्वेक्षण किया है। भाजपा ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने भंडारी को तत्काल प्रभाव से राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया है। भाजपा की वेबसाइट के मुताबिक, भंडारी को छोड़कर पार्टी के प्रवक्ताओं की कुल संख्या 30 है। लोकसभा सांसद अनिल बलूनी पार्टी के मीडिया प्रकोष्ठ के प्रमुख और मुख्य प्रवक्ता हैं।

सूर्यास्त 24-07-2024 6:38 बजे	सूर्योदय 25-07-2024 5:52 बजे
BSE 80,429.04 (-73.04)	NSE 24,479.05 (-30.20)
सोना 7,303 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 92,500 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बजट राय

बिना पढ़े वे करे समीक्षा,
अब की बार बजट है खारा।
कभी उछलता कभी फिसलता,
प्रतिदिन सूचकांक का पारा।
संभव नहीं सभी खुश होवें,
सबका बजट सदा है न्यारा।
अच्छा बजट वही है जिससे,
देश तरक्की करे हमारा।।

बजट में मध्यम वर्ग को कर राहत, रोजगार सृजन, छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन पर जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को पेश आम बजट में आयकर मोर्चे पर मध्यम वर्ग एवं नौकरीपेशा लोगों को राहत देने और अगले पांच साल में रोजगार सृजन के लिए दो लाख करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की।

इसके साथ ही उन्होंने सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल सहयोगी दलों के शासन वाले राज्यों– बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए कई परियोजनाओं का भी ऐलान किया। भाजपा को लोकसभा चुनाव में अपने दम पर बहुमत नहीं मिलने के लिए ग्रामीण असंतोष और बेरोजगारी को जिम्मेदार माना गया है।

सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024–25 के बजट में ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया। वहीं आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए बजट में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.4 प्रतिशत है। सीतारमण ने अपना सातवां और नरेन्द्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करते हुए स्टार्टअप में सभी श्रेणी के निवेशकों के लिए 'एंजल कर' समाप्त करने की घोषणा की। जब कोई गैर–सूचीबद्ध या स्टार्टअप कंपनी शेयर जारी कर पूंजी जुटाती है और उसका मूल्य कंपनी के उपयुक्त बाजार मूल्य से अधिक होता है, तब उस पर 'एंजल कर' लगाया जाता है। बजट में मोबाइल फोन एवं सोने पर सीमा शुल्क में कटौती की गई है और पूंजीगत लाभ कर को सरल बनाया गया है। हालांकि, वित्त मंत्री ने प्रतिभूतियों के वायदा एवं विकल्प खंड में प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) को बढ़ा दिया। इस कदम से शेयर बाजारों में गिरावट आई। वित्त मंत्री ने बिहार के लिए एक्सप्रेसवे, बिजलीघर, हेरिटेज कॉरिडोर और नए हवाई अड्डों जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 60,000 करोड़ रुपये का आवंटन करने की घोषणा की। यह घोषणा ऐसे समय की गयी है, जब राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

बिहार को वित्तीय समर्थन पूंजीगत परियोजनाओं के रूप में है। यह सब्सिडी या नकद सहायता के रूप में नहीं है। बिहार में भाजपा की सहयोगी पार्टी जदयू (जनता दल यूनाइटेड) राज्य के लिए आर्थिक पैकेज और विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग कर रही है। इसी तरह, आंध्र प्रदेश के लिए बहुपक्षीय एजेंसियों के माध्यम से वित्तीय सहायता के रूप में 15,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ तेलुगुदेशम पार्टी (तेदेपा) हाल ही में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हुई है।

सीतारमण ने कहा, ''ऐसे समय जब दुनिया में अनिश्चिततताएं हैं, भारत की आर्थिक वृद्धि एक अपवाद बनी हुई है और आने वाले वर्षों में भी ऐसा ही रहेगा।'' उन्होंने कहा, ''इस बजट में हम विशेष रूप से रोजगार, कौशल विकास, एमएसएमई और मध्यम वर्ग और पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।'' वित्त मंत्री ने कहा कि 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास और अन्य अवसर उपलब्ध कराने की योजनाओं और उपायों के लिए पांच साल की अवधि में दो लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा शिक्षा, रोजगार और कौशल के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का निर्धारण किया गया है। उन्होंने मध्यम वर्ग के लिए मानक कटौती को 50 प्रतिशत बढ़ाकर 75,000 रुपये करने के साथ नई आयकर व्यवस्था का विकल्प चुनने वाले करदाताओं के लिए कर स्लैब में बदलाव किया। मानक कटौती के तहत आयकर की गणना करने से पहले वर्ष में अर्जित कुल वेतन में से निश्चित राशि घाटा दी जाती है। उन्होंने कहा कि इससे करदाताओं को नई कर व्यवस्था के तहत सालाना 17,500 रुपये तक की बचत होगी। नई व्यवस्था में कर की दरें कम हैं। हालांकि, इसमें मिलने वाली छूट भी न के बराबर है। रोजगार को बढ़ावा देने के लिए बजट में कंपनियों के लिए प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। इसमें पहली बार काम करने वाले कर्मचारियों के लिए एक महीने के वेतन का भुगतान और रोजगार के पहले चार वर्षों में उनके सेवानिवृत्ति निधि अंशदान के संबंध में नियोक्ताओं को प्रत्येक अतिरिक्त कर्मचारी के ईपीएफओ योगदान के लिए दो साल के लिए 3,000 रुपये प्रति माह तक का 'रिम्बर्समेंट' शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कौशल में सुधार के साथ छात्रों के लिए इंटर्नशिप के लिए एक कार्यक्रम चलाया जाएगा। उच्च शिक्षा के लिए रियायती कर्ज भी प्रदान किया जाएगा।

पीएम आवास-शहरी : बजट में कर्ज से जुड़ी सब्सिडी योजना के लिए 4,000 करोड़ रुपए आवंटित

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत ब्याज सब्सिडी योजना फिर शुरू की और आम बजट में कर्ज से जुड़ी सब्सिडी योजना (सीएलएसएस) के लिए 4,000 करोड़ रुपये आवंटित किए। वित्त वर्ष 2024–25 के केंद्रीय बजट में प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के लिए 30,170 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं जो 2023–2024 के बजटीय आवंटन से 20.19 प्रतिशत अधिक है। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के अनुसार, ब्याज सब्सिडी योजना का लाभ जल्द ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, निम्न आय वर्ग और मध्यम आय वर्ग द्वारा उठाया जा सकता है। करीब दो साल पहले, सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ऋण से जुड़ी सब्सिडी योजना की अवधि नहीं बढ़ाई थी, जिसके तहत घर खरीदने वालों को आय के आधार पर सब्सिडी मिलती थी।

कई खरीदारों को 50 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति की बिक्री पर लगेगा एक प्रतिशत टीडीएस

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को अपने बजट भाषण में कहा कि 50 लाख रुपये या उससे अधिक मूल्य की अचल संपत्ति की बिक्री पर एक प्रतिशत का टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) लगेगा, भले ही लेनदेन में कई खरीदार और विक्रेता शामिल हों। कर प्रावधानों की गलत व्याख्या के मामलों के बीच सीतारमण ने अपने बजट भाषण में इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की। सरकार ने कहा कि कई विक्रेताओं या खरीदारों से जुड़ी 50 लाख रुपये से अधिक मूल्य की अचल संपत्ति के हस्तांतरण के लिए एक प्रतिशत की दर से 'स्रोत पर कर कटौती' लागू होगी। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में अचल संपत्ति की बिक्री पर टीडीएस के प्रावधान का उल्लेख किया। बजट दस्तावेज के मुताबिक, अधिनियम की धारा 194–आईए में कृषि भूमि से इतर अचल संपत्तियों के हस्तांतरण के लिए किए जाने वाले के भुगतान पर कर कटौती का प्रावधान है।

जनगणना: 2024 में एनपीआर की संभावना नहीं, बजट में केवल 1,309.46 करोड़ रुपए आवंटित

नई दिल्ली/भाषा। वित्त वर्ष 2024–25 के बजट में जनगणना के लिए 1,309.46 करोड़ रु. आवंटित किए हैं। यह 2021–22 की तुलना में काफी कम है। उस समय दशक में एक बार होने वाले इस कार्य के लिए 3,768 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। केंद्रीय मंत्रिमंडल की 24 दिसंबर, 2019 को हुई बैठक में 8,754.23 करोड़ रुपये की लागत से भारत की 2021 की जनगणना कराने और 3,941.35 करोड़ रु. की लागत से राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर को अद्यतन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। जनगणना के तहत मकान सूचीकरण चरण और एनपीआर को अद्यतन करने का काम एक अप्रैल से 30 सितंबर, 2020 तक पूरे देश में किया जाना था, लेकिन वैश्विक महामारी के प्रकोप के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। जनगणना कार्य अब भी रुका हुआ है और सरकार ने इसके लिए नये कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है। चूंकि इस वर्ष आम चुनाव हो चुके हैं, इसलिए 2024 में जनगणना का कार्य नहीं हो सकेगा।

जल संसाधन, गंगा पुनरुद्धार के लिए बजट आवंटन में 55 प्रतिशत वृद्धि

नई दिल्ली/भाषा। जल संसाधन, नदी विकास और गंगा पुनरुद्धार विभाग के लिए आवंटित कुल बजट 30,233.83 करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले वर्ष के 19,516.92 करोड़ रुपये के आवंटन से 55 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024–25 के संशोधित बजट में विशेष रूप से प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं और नमामि गंगे मिशन–2 के लिए आवंटन में वृद्धि हुई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को बजट की घोषणा करते हुए कई राज्यों में बाढ़ नियंत्रण उपायों और सिंचाई परियोजनाओं को बढ़ाने के लिए 11,500 करोड़ रुपये की व्यापक वित्तीय सहायता योजना की घोषणा की। सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा, ''बिहार लगातार बाढ़ का दंश झेलता रहा है जिनमें से अधिकतर देश के बाहर से आने वाली नदियों की वजह से आती हैं। नेपाल में बाढ़ नियंत्रण संरचनाएं बनाने की योजना अभी आगे नहीं बढ़ी है।''

मोदी सरकार ने पेश किया 'नकलची' और 'कुर्सी बचाओ' बजट : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को पेश केंद्रीय बजट को 'नकलची' तथा 'कुर्सी बचाओ' बजट करार दिया और कहा कि सरकार को मुख्य विपक्षी दल का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि उसने उसके चुनावी घोषणापत्र से कई बिंदुओं को 'कॉपी–पेस्ट' कर लिया। मुख्य विपक्षी दल ने यह दावा भी किया कि इस बजट में महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए तथा आम लोगों को कोई राहत प्रदान नहीं की गई।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की तरक्की वाला नहीं, बल्कि 'मोदी सरकार बचाओ' बजट पेश किया है। उन्होंने दावा किया कि यह 'नकलची बजट' है जिसमें सरकार कांग्रेस के 'न्याय' के एजेंडे की ठीक तरह से नकल भी नहीं कर पाई है। खरगे ने एक बयान में कहा, ''कांग्रेस के न्याय के एजेंडे को ठीक तरह से कॉपी भी नहीं कर पाया मोदी सरकार का नकलची बजट ! मोदी सरकार का बजट अपने गठबंधन के साथियों को ठगने के लिए आधी–अधूरी रेवड़ियां बांट रहा है, ताकि राजग सरकार बची रहे। यह देश की तरक्की का बजट नहीं, मोदी सरकार बचाओ बजट है।'' उन्होंने कहा, ''10 साल बाद उन युवाओं के लिए सीमित घोषणाएं हुई हैं, जो सालाना दो करोड़ नौकरियों के जुमले को झेल रहे हैं। किसानों के लिए केवल सतही बातें हुई हैं। डेढ़ गुना एमएसपी और आय दोगुना करना, सब चुनावी धोखेबाजी निकली। ग्रामीण वेतन (आय) को बढ़ाने का इस सरकार का कोई इरादा नहीं है।

कांग्रेस अध्यक्ष के मुताबिक, दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक, मध्यम वर्ग और गांव–गरीब लोगों के लिए कोई भी क्रांतिकारी योजना नहीं है, जैसी कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन ने लागू की थी। उन्होंने दावा किया महिलाओं के लिए इस बजट में ऐसा कुछ नहीं है, जिससे उनकी आर्थिक क्षमता बढ़े और वे श्रम बल में अधिक से अधिक शामिल हों।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि सरकार ने ''कुर्सी बचाओ'' बजट पेश किया है जिसमें भारतीय जनता पार्टी को खुश करने के लिए दूसरे राज्यों की कीमत पर खोखले वादे किए गए हैं।

नायडू ने केंद्रीय बजट में आंध्र प्रदेश की जरूरतों को पहचानने के लिए केंद्र का आभार जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

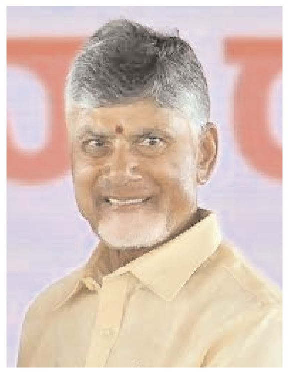

अमरावती (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2024–25 के केंद्रीय बजट में राजधानी शहर, पोलावरम परियोजना, औद्योगिक स्वीकृतियों और पिछड़े क्षेत्रों के विकास पर ध्यान केंद्रित करके राज्य की जरूरतों को पहचानने के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया।

केंद्रीय बजट 2024–25 पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आंध्र प्रदेश की राजधानी के विशेष वित्तीय सहयोग, पोलावरम परियोजना के प्रति ''पूर्ण प्रतिबद्धता'' और बुनियादी ढांचे तथा पिछड़े इलाकों के लिए निधि के तौर पर 15,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था करने का वादा किया।

केंद्रीय वित्त मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि केंद्र का सहयोग आंध्र प्रदेश के पुनर्निर्माण में काफी मदद करेगा। नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आंध्र प्रदेश के लोगों की ओर से, मैं केंद्रीय बजट 2024–25 में हमारे राज्य की जरूरतों को पहचानने और राजधानी, पोलावरम, औद्योगिक स्वीकृतियों और आंध्र प्रदेश में पिछड़े क्षेत्रों के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद देता हूं।'' उन्होंने ''प्रगतिशील और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला'' बजट पेश करने के लिए सीतारमण को बधाई दी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्रीय बजट की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय बजट में घोषित विशेष मदद ने राज्य की उन चिंताओं का ख्याल रखा है, जिसके कारण विशेष श्रेणी के दर्जे की मांग की गई थी।

नीतीश ने 'एक्स' पर लिखा, आज केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट सकारात्मक एवं स्वागतयोग्य है। इस बजट में बिहार की जरूरतों का विशेष ध्यान रखा गया है। उन्होंने लिखा, इसके तहत बिहार के मानव संसाधन विकास एवं बुनियादी विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस बजट में बिहार की सड़क सम्पर्क परियोजनाओं, विद्युत परियोजनाओं, हवाईअड्डों, मेडिकल कॉलेजों और खेलकूद की संरचनाओं के लिये विशेष राशि का प्रावधान किया गया है। साथ ही बजट में बिहार के पर्यटन स्थलों को विकसित करने के लिये विशेष सहायता की घोषणा की गयी है।

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के शीर्ष नेता कुमार ने कहा, बिहार को बाढ़ से बचाव के लिये भी बजट में बड़ा ऐलान किया गया है। कोशी–मेची नदी जोड़ परियोजना, नदी प्रदूषण न्यूनीकरण और सिंचाई परियोजनाओं के लिये विशेष आर्थिक मदद देने की घोषणा की गयी है, जो स्वागतयोग्य है। बिहार के लिये बजट में विशेष प्रावधान के लिये आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं माननीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी को विशेष धन्यवाद। बजट में बिहार के लिये की गयी इन घोषणाओं से राज्य के विकास में सहयोग मिलेगा। आशा है कि आगे भी अन्य आवश्यकताओं के लिये केन्द्र सरकार इसी तरह बिहार के विकास में सहयोग करेगी। नीतीश कुमार ने बिहार विधानसभा परिसर में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा था, हमने कहा था कि यदि तकनीकी कारणों से विशेष दर्जा संभव नहीं है, तो बिहार को केंद्र से किसी अन्य रूप में विशेष मदद मिलनी चाहिए। आज इसकी घोषणा की गई है। जब उनसे सवाल किया गया कि क्या विशेष राज्य का दर्जा की मांग अब नहीं की जाएगी या यह आगे भी जारी रहेगी, तब उन्होंने इसका सीधा जवाब देने से परहेज करते हुए कहा, हमलोग विशेष राज्य के दर्जे के लिए कह रहे थे ... लेकिन बहुत लोगों का कहना था कि पहले से इसको बंद कर दिया गया है, ऐसे में बिहार के विकास के लिए एक मदद होनी चाहिए थी, उसकी उन्होंने शुरुआत कर दी है।

महिलाओं, लड़कियों के लिए लाभकारी योजनाओं के वास्ते 3 लाख करोड़ रु. से अधिक का बजटीय आवंटन

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि महिला–नीत विकास को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न मंत्रालयों के तहत महिलाओं और लड़कियों से संबंधित योजनाओं के वास्ते तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किये गये हैं। सीतारमण ने लोकसभा में 2024–25 का बजट पेश करते हुए कहा कि यह (आवंटन) आर्थिक विकास में महिलाओं की भूमिका बढ़ाने को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता का द्योतक है। उन्होंने कहा, ''महिला–नीत विकास को बढ़ावा देने के मद्देनजर महिलाओं और लड़कियों से संबंधित लाभकारी योजनाओं के वास्ते बजट में तीन लाख करोड़ रु. से अधिक आवंटित किये गये हैं।'' सीतारमण ने कहा कि कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सरकार कामकाजी महिला छात्रावास स्थापित करेगी।

बजट राजकोषीय मजबूती के मार्ग पर अग्रसर, आम आदमी के हितों पर ध्यान : उद्योग जगत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उद्योग जगत ने मंगलवार को पेश बजट 2024–25 को आम आदमी के हितों पर ध्यान केंद्रित करते हुए राजकोषीय मजबूती के मार्ग पर अग्रसर बताने के साथ ही कहा कि इसमें भारतीय निवेशकों के लिए कुछ और कदम उठाए जा सकते थे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में वित्त वर्ष 2024–25 का बजट पेश किया। यह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट है।

हिंदुजा ग्रुप ऑफ कंपनीज (इंडिया) के चेयरमैन अशोक हिंदुजा ने कहा, बजट से पता चलता है कि मोदी सरकार का इस कार्यकाल में लक्ष्य राजकोषीय सुदृढ़ीकरण की राह पर आगे बढ़ना है। कृषि क्षेत्र और किफायती एवं शहरी आवासीय अवसंरचना पर ध्यान केंद्रित करना ठोस कदम है और यह एक शुभ संकेत है।

आरपीजी एंटरप्राइजेज के चेयरमैन हर्ष गोयनका ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, भारतीय टीम के विश्व कप जीतने के बाद वित्त मंत्री ने आम आदमी के हितों पर ध्यान केंद्रित करते हुए टीम इंडिया के लिए मैच जीतने वाला बजट पेश किया। एक अनुभवी कप्तान के नेतृत्व में सावधानीपूर्वक, विस्तृत और अच्छी तरह शोध से बनाया बजट देश की नब्ज को दर्शाता है।

उद्योग मंडल सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि यह बजट समावेश के साथ वृद्धि तेज करने के लिए भारत की सफल समग्र आर्थिक रणनीति को निरंतरता प्रदान करता है। यह निवेश और सुधारों की अगुवाई में तथा समावेशन एवं सशक्तिकरण पर केंद्रित सरकार के पिछले दो कार्यकालों की सफल आर्थिक रणनीति को आगे बढ़ाता है।

पीएचडी चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने कहा कि यह बजट विकासोन्मुख और समावेशी है। इसमें घोषित अनेक उपाय 'विकसित भारत' की दिशा में भारत की यात्रा को मजबूती प्रदान करेंगे। हालांकि होटल एवं रेस्तरां निकाय एफएचआरएआई के अध्यक्ष प्रदीप शेट्टी ने होटल क्षेत्र के लिए बजट में कोई विशेष उपाय न किए जाने पर निराशा जताई। उन्होंने कहा, वैश्विक प्रतिस्पर्धी व्यवस्था में मूलभूत चुनौतियों का समाधान करने के लिए संरचनात्मक बदलाव लाने तथा 2047 तक इस क्षेत्र के विकास को गति देकर इसे तीन लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए बजट में कुछ भी खास नहीं है।

वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा कि भारतीय वाहन उद्योग कई बजट घोषणाओं, खासकर अगले पांच वर्षों में बुनियादी ढांचे के लिए मजबूत राजकोषीय समर्थन के साथ आर्थिक वृद्धि पर निरंतर जोर देने का स्वागत करता है।

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) के मुख्य वित्तीय अधिकारी आसिफ मालबारी ने कहा कि बजट में जमीनी स्तर पर भारत के व्यापक आर्थिक के समग्र विकास का वादा किया गया है। इमामी समूह के निदेशक आदित्य वी अग्रवाल ने कहा कि इस समग्र बजट में समाज के सभी वर्गों के लिए समान अवसर मुहैया कराए गए हैं। नई कर व्यवस्था के तहत प्रत्यक्ष कर में छूट और सुधारों की पहल सतत विकास और सशक्तिकरण की दिशा में हैं।

भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष एन जी खेतान ने कहा कि बजट एमएसएमई क्षेत्र में शिक्षा, कौशल और विनिर्माण के माध्यम से युवाओं के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

खुदरा विक्रेताओं के संगठन रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) के सीईओ कुमार राजगोपालन ने कहा, सरकार ने लोकलुभावन और नीतिगत उपायों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है। किसानों के लिए मौद्रिक सहायता, व्यक्तिगत आयकर में छूट की बढ़ी सीमा और बढ़ी हुई मानक कटौती जैसी पहलों से खर्च–योग्य अधिक आमदनी रहेगी, जिससे खर्च में वृद्धि होगी।

उद्योग मंडल एसोचैम की एमएसएमई काउंसिल ईस्ट के

सरकार की रोजगार को बढ़ावा देने को ईपीएफओ के जरिये तीन योजनाओं की घोषणा

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को संगठित क्षेत्र में प्रवेश करने वाले नये कामगारों के लिए ईपीएफओ के जरिए तीन योजनाओं की घोषणा की। रोजगार को बढ़ावा देने के मकसद से लाई गईं इन योजनाओं के लिए कुल केंद्रीय परिव्यय 1.07 लाख करोड़ रुपये है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारण ने लोकसभा में अपने बजट भाषण में कहा, ''हमारी सरकार प्रधानमंत्री के पैकेज के तहत रोजगार से जुड़े प्रोत्साहन के लिए तीन योजनाएं लागू करेगी।''

उन्होंने कहा कि ये योजनाएं कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में नामांकन पर आधारित होंगी और पहली बार इससे जुड़ने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन देंगी। इनसे कर्मचारियों और नियोक्ताओं को समर्थन मिलेगा।

REPCO BANK Govt. of India Enterprise

रेप्को बैंक का विशेष ऋण अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां टीनगर की रेप्को बैंक शाखा में विशेष ऋण अभियान का आयोजन चल रहा है। 22 जुलाई से 31 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान में सदस्य ग्राहकों के लाभ के लिए सस्ती ब्याज दरों के साथ संसाधित ऋणों के लिए सेवा शुल्क पर 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

ऋण अभियान अवधि के दौरान, पात्र आवेदनों पर शीघ्रता से कार्रवाई की जाएगी और सैद्धांतिक स्वीकृति पत्र भी तुरंत जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, टी. नगर शाखा के संयुक्त महाप्रबंधक टी. राजेंद्रन ने बताया कि ऋण कार्यशील पूंजी, व्यापार विस्तार, चिकित्सा व्यय, शैक्षिक उद्देश्यों आदि के लिए लिया जा सकता है, और सदस्य ग्राहकों को सेवा शुल्क पर 50 प्रतिशत रियायत के साथ विशेष ऋण अभियान के दौरान लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया और यह भी बताया कि बैंक तुरंत 5,300 रुपये प्रति ग्राम तक का ज्वेल लोन प्रदान कर रहा है। फिक्स्ड डिपॉजिट के लिए भी विशेष ब्याज दर पर जमा राशि स्वीकार्य की जा रही है।

रेप्को होम फाइनेंस का होम लोन मेला 27 जुलाई तक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रेप्को होम फाइनेंस लिमिटेड द्वारा थिरुवोट्टियूर, पूनमल्ली और मेदवक्कम शाखाओं में 22 जुलाई से 27 जुलाई तक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होम लोन मेला आयोजित कर रहा है। सबसे कम ब्याज दर पर होने वाले इस मेले में विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया गया है।

Repco Home Finance - We value your Dream

निपाह से मरने वाले के करीबियों की जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है : केरल की स्वास्थ्य मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने मंगलवार को कहा कि निपाह से मरने वाले 14 वर्षीय लड़के के करीबी रिश्तेदारों और उसके सीधे संपर्क में आए अन्य लोगों की जांच रिपोर्ट 'नेगेटिव' आई है।

राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार निपाह प्रभावित के संपर्क सूची में उच्च जोखिम वाली श्रेणी में शामिल पांच लोगों सहित उन्नीस लोगों का परीक्षण किया गया और उनकी रिपोर्ट आज जारी की जाएगी। मलप्पुरम में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद मंत्री जॉर्ज ने कहा कि यह राहत की बात है कि उनके करीबी रिश्तेदार और उनके संपर्क में आए अन्य लोगों का निपाह परीक्षण नेगेटिव आया है। गौरतलब है कि मल्लपुरम में ही निपाह के कारण किशोर की मौत की सूचना मिली थी।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में लगाए गए प्रतिबंध हालांकि जारी रहेंगे और उन्हें अभी नहीं हटाया जा सकता है। मंत्री ने लोगों से सतर्क रहने और सार्वजनिक स्थानों पर अनिवार्य रूप से मास्क पहनने का आग्रह किया। स्वास्थ्य विभाग ने 406 लोगों की संपर्क सूची तैयार की है जिनमें से 194 उच्च जोखिम वाली श्रेणी में हैं। निपाह संक्रमण के कारण उपचाराधीन मलप्पुरम निवासी 14 वर्षीय किशोर की रविवार सुबह मौत हो गई थी।

मंत्री ने कहा, पुणे वायरोलॉजी संस्थान से एक चल प्रयोगशाला कोझिकोड पहुंच गई है और उसने काम करना शुरू कर दिया है...। चमगादड़ों पर निगरानी रखने के लिए राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान की एक टीम जिले में पहुंच गई है और मंगलवार को विभिन्न स्थानों से चमगादड़ों के नमूने एकत्र करेगी। इस बीच सरकार ने सोशल मीडिया के जरिए बीमारी के बारे में गलत सूचना देने वालों को चेतावनी दी है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

श्रीलंका ने अपने जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में नौ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने मंगलवार को कथित तौर पर अपने जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में नौ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और उनकी नौकाएं जब्त कर ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसी के साथ इस वर्ष श्रीलंका द्वारा ऐसी घटनाओं में पकड़े गए भारतीय नागरिकों की कुल संख्या 261 हो गई है।

नौसेना ने कहा कि उत्तरी जाफना प्रायद्वीप के डेल्फ्ट द्वीप पर नौ मछुआरों को गिरफ्तार किया गया और उनकी दो नौकाएं जब्त की गईं। नौसेना ने 11 जुलाई को कहा था कि इस साल अवैध शिकार करने को लेकर 252 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया और 35 नौकाएं जब्त की गई है।

इस माह के आरंभ में श्रीलंका ने भारत के समक्ष एक नौसैनिक की मौत के मामले को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की थी। नौसैनिक की द्वीपीय राष्ट्र के जलक्षेत्र में कथित रूप से अवैध रूप से मछली पकड़ने में लगी एक भारतीय नौका को जब्त करने के अभियान के दौरान मौत हो गई थी। दोनों देशों के मछुआरों को अक्सर अनजाने में एक दूसरे के जलक्षेत्र में घुसने के लिए गिरफ्तार किया जाता है।

मरियम्मा थॉमस ने सीपीजी का कार्यभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सर्किल की नई मुख्य पोस्टमास्टर जनरल (सीपीजी) का कार्यभार श्रीमती मरियम्मा थॉमस ने संभाल लिया है। तमिलनाडु डाक सर्किल में तमिलनाडु और पांडिचेरी में फैले 11,583 डाकघर शामिल हैं। श्रीमती मरियम्मा थॉमस भारतीय डाक सेवा की 1994 बैच की अधिकारी हैं और उनके पास कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, महाराष्ट्र, गोवा और उत्तर पूर्वी सर्किल (शिलांग) में अपने पिछले कार्यकाल का समृद्ध अनुभव है।

बजट में तमिलनाडु की उपेक्षा की गई, नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करूंगा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय बजट में राज्य की पूरी तरह से उपेक्षा की गई और वह इसकी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि वह 27 जुलाई को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करेंगे।

स्टालिन ने बजट को बेहद निराशाजनक करार देते हुए कहा कि चूंकि केंद्र सरकार ने तमिलनाडु को पूरी तरह से नजरअंदाज किया है, इसलिए नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करना सही है। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के सांसद केंद्रीय बजट को लेकर 24 जुलाई को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करेंगे।

स्टालिन ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, तमिलनाडु के अधिकारों को बरकरार रखने के लिए , हम जनता की अदालत में लड़ाई जारी रखेंगे। स्टालिन ने बिहार और आंध्र प्रदेश की ओर इशारा करते हुए कहा कि अल्पसंख्यक भाजपा' को बहुसंख्यक भाजपा' बनाने वाले कुछ क्षेत्रीय दलों को संतुष्ट करने के लिए बजट में कुछ राज्यों के लिए योजनाओं की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने भले ही ऐसी योजनाओं की घोषणा की है, लेकिन इस बात को लेकर संदेह है कि इन्हें लागू किया जाएगा या नहीं।

स्टालिन ने कहा कि केंद्र सरकार ने तमिलनाडु के लिए मेट्रो रेल योजना' की घोषणा की थी, लेकिन इसके लिए (चेन्नई मेट्रो रेल चरण-2) कोई धनराशि आवंटित नहीं की गई और राज्य को आज तक धोखा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसी तरह, इस बात की भी कोई गारंटी नहीं है कि बिहार और आंध्र प्रदेश का भविष्य तमिलनाडु जैसा नहीं होगा।

स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु और तिरुक्कुरल, जिसके बारे में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि वे उससे प्यार करते हैं, दोनों का बजट में जिक्र तक नहीं किया गया।

अन्नामलाई ने कार्यकर्ताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए संसदीय चुनावों के दौरान कोयम्बटूर क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले अन्नामलाई ने कड़ी मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों से मुलाकात की।

तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने यहां गुजराती समाज भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में सभी स्वयंसेवकों उनके प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने एक महीने के अथक प्रयास और परिश्रम से चुनाव में भाग लिया। उन्होंने सभी के ईमानदार पूर्ण सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

यहां सुदर्शन के नेतृत्व में नई पहल 'वॉयस ऑफ कोवई' के माध्यम से कोयंबटूर के लोगों के सामने आने वाले मुद्दों के समाधान की सुविधा के लिए संचार का पुल बनकर जन सेवा का अपना प्रयास जारी रखेंगे। आज के इस कार्यक्रम में कोयंबटूर दक्षिण की विधायक वनती श्रीनिवासन, भाजपा तमिलनाडु के महासचिव एपी मुरुगनांथम, कोयंबटूर नगर जिला अध्यक्ष रमेश कुमार, प्रदेश किसान मोर्चा के अध्यक्ष जीके नागराज, आईएमके के अध्यक्ष अर्जुन संपत, भाजपा तमिलनाडु के वरिष्ठ नेता और जिला पदाधिकारियों ने भाग लिया और मेहनती स्वयंसेवकों के निस्वार्थ कार्य के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की। बैठक के दौरान अन्नामलाई ने सत्तासीन द्रमुक पार्टी के नेताओं के आपराधिक मामलों का दस्तावेज प्रस्तुत किए।

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री ने बजट को सभी तबकों के लिए अच्छा बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने मंगलवार को पेश केंद्रीय बजट की तारीफ करते हुए कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोगों के लिए कई योजनाएं और नीतियां पेश की हैं। सीतारमण ने मंगलवार को 2024-25 का बजट पेश किया। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट है। केंद्र शासित प्रदेश में एआईएनआरसी-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन सरकार के प्रमुख रंगासामी ने कहा, संसद में निर्मला सीतारमण द्वारा पेश केंद्रीय बजट के प्रावधानों से सभी वर्गों के कल्याण को गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि युवाओं, महिलाओं, आदिवासी आबादी, किसानों और वंचितों को वित्त मंत्री द्वारा घोषित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के अनुरूप उनके कल्याण में बड़े पैमाने पर सुधार देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये का आवंटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार द्वारा किसानों को दी जा रही प्राथमिकता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कौशल विकास और महिलाओं की बेहतरी को बढ़ावा देने वाले प्रावधान बजट का मुख्य आकर्षण हैं। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने आदिवासी आबादी, दलितों, युवाओं और महिलाओं की बेहतरी के लिए दी गई प्रधानमंत्री की गारंटी को समायोजित किया है।

कुडनकुलम पुलिस ने छह रूसी नागरिकों को हिरासत में लिया

तिरुनेलवेली। कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र क्षेत्र के पास घूम रहे छह रूसी नागरिकों को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। मंगलवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

स्थानीय मछुआरों ने सोमवार को एक महिला समेत इन रूसी नागरिकों को अपने तटीय गांव इदिंथाकारई में घूमते देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी। विदेशियों के साथ वल्लियूर के दो व्यक्ति और तिरुवनंतपुरम का एक कार चालक भी था।

अधिकारी ने बताया कि कुडनकुलम पुलिस ने रूसी नागरिकों से करीब छह घंटे तक पूछताछ की। पूर्व में, इदिंथाकारई गांव परमाणु-विरोधी प्रदर्शनों का केंद्र रहा रहा था। कुडनकुलम में रूसी सहायता से निर्मित एक हजार मेगावाट के दो परमाणु रिएक्टर हैं और इसी परिसर में चार और ऐसी इकाइयां स्थापित की जा रही हैं।

भारत के युवाओं का भविष्य है बजट : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने नई दिल्ली में कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट भारत के भविष्य के युवाओं का बजट है। केंद्रीय बजट के बाद नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह बजट दिखाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के दस साल के आर्थिक सुधार के कारण भारत दुनिया में उभरता हुआ देश है।

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में विकसित भारत के दस वर्षों के नतीजों को और बेहतर करने के लिए महंगाई को सीमित करने और अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए यह विकास समर्थक बजट है। उन्होंने बताया कि बजट में कृषि क्षेत्र के लिए 1.5 लाख करोड़, रोजगार और कौशल विकास के लिए 1.5 लाख करोड़, मुद्रा योजना के तहत ऋण राशि 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख, ग्रामीण विकास के लिए 1 लाख करोड़, गरीबों को घर मुहैया कराने के लिए 3 करोड़ पर जोर कृषि क्षेत्र, कृषि उत्पादन में वृद्धि और प्रसंस्करण को प्राथमिकता पर जोर दिया है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में उन्होंने खास तौर पर छोटे उद्योगों पर काफी जोर दिया है. उन्होंने बड़े पैमाने पर सेवा क्षेत्र के विकास को भी सुविधाजनक बनाया है। वे तीन क्षेत्रों में अधिक पैसा निवेश करने के लिए देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। यह स्वागत योग्य बात है कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे सामाजिक क्षेत्रों को अधिक पैसा दिया गया है। बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पिछली बार से ज्यादा पैसा दिया गया है. उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विशेष कानून बनाने का कदम एक अच्छा विकास का कदम है।

निर्मला सीतारमण ने कर्नाटक के साथ अन्याय किया

मुख्यमंत्री ने बजट को निराशाजनक बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किये गए केंद्रीय बजट 2024-25 को ''निराशाजनक'' करार देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि राज्य की पूरी तरह से अनदेखी की गई है। उन्होंने कहा, चूंकि निर्मला सीतारमण कर्नाटक से राज्यसभा सदस्य हैं, इसलिए हमें उम्मीद थी कि वह राज्य के साथ न्याय करेंगी और राज्य के हितों की रक्षा करेंगी, लेकिन उन्होंने कर्नाटक के लोगों को निराश किया और उनके साथ अन्याय किया।

सिद्दरामय्या ने कहा, इस बजट में निर्मला सीतारमण ने कर्नाटक को 'चोंबू' (लोटा) थमा दिया। कर्नाटक को कुछ नहीं दिया गया। आंध्र प्रदेश और बिहार को विशेष अनुदान मिला, किसी अन्य राज्य को अनुदान नहीं दिया गया और ऐसा इसीलिए किया गया कि नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बने रहने के लिए आंध्र प्रदेश और बिहार के समर्थन की आवश्यकता है।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि इस बजट में कर्नाटक को उद्योग और रेलवे जैसे क्षेत्रों में कोई प्रोत्साहन नहीं दिया गया है, जबकि राज्य से पांच केंद्रीय मंत्री हैं। उन्होंने कहा, बजट पूरी तरह से निराशाजनक और जनविरोधी है। विशेष रूप से एससी/एसटी, किसानों के साथ अन्याय किया गया है। चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार को खुश रखने के लिए आंध्र प्रदेश और बिहार को विशेष अनुदान दिया गया है...28 राज्य और आठ केंद्र शासित प्रदेश हैं। कर्नाटक की पूरी तरह से अनदेखी की गई है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश को छोड़कर दक्षिण भारत के किसी भी राज्य को कुछ नहीं मिला है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्य की किसी भी मांग को स्वीकार किए बिना बेहद निराशाजनक बजट पेश किया है। मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि निर्मला सीतारमण ने राज्य के विकास को पूरी तरह से नजरअंदाज कर राज्य के लोगों को धोखा दिया है। उन्होंने बताया कि बजट पूर्व बैठक में राज्य सरकार ने कई अनुरोध रखे थे। लेकिन केंद्रीय वित्त मंत्री ने किसी भी मांग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। निर्मला सीताराम ने पिछले बजट में भद्रा अपर बैंक परियोजना के लिए 5300 करोड़ अनुदान देने की घोषणा की थी। लेकिन इस बार इस प्रोजेक्ट के लिए कोई पैसा नहीं दिया गया है। जबकि इसके लिए अनुरोध किया गया था। कल्याण कर्नाटक के व्यापक विकास के लिए इस वर्ष 5 हजार करोड़ रुपये अनुदान प्रदान किए गए परन्तु इसके अतिरिक्त पिछड़े तालुकों को अनुदान प्रदान करने का भी अनुरोध किया गया। इसी तरह, उन्होंने महादायी योजना, मेकेदातु योजना, कृष्णा अपर बैंक परियोजनाओं के बारे में बजट में कोई प्रस्ताव नहीं देकर किसानों को धोखा दिया है। इसके अलावा, रायचूर में एम्स स्थापित करने की मांग कई वर्षों से की जा रही है और बजट पूर्व बैठक में भी यह मांग की गई थी। केंद्र सरकार ने इनमें से किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के डिवीजनल ऑफिस 100 द्वारा 106वें स्थापना दिवस के अवसर पर आज 23 जुलाई को बॉम्बे म्यूचुअल बिल्डिंग पैरीज़ में मेगा हेल्थ चेकअप नि:शुल्क शिविर का आयोजन किया गया। डिवीजनल मैनेजर आर. निर्मला ने कर्मचारियों और अपने ग्राहकों के साथ साथ आम लोगों के लिए शिविर का उद्घाटन किया।

अपोलो हॉस्पिटल्स, ग्रीम्स रोड से पैरामेडिकल स्टाफ के साथ डॉक्टरों की टीम डॉ. राम्या भारती, डॉ. मदु वदानी, डॉ. रंजीत कुमार ने भाग लिया और रक्तचाप, रक्त शर्करा, आंख, हृदय और दंत चिकित्सा की जांच की। स्त्री रोग और सामान्य स्वास्थ्य सलाहकार ने भाग लिया और शिविर में सौ से अधिक लोगों ने लाभ उठाया। अपोलो हॉस्पिटल कॉरपोरेट सर्विसेज के कार्तिकयन ने समन्वय किया और राज कुमार के साथ भाग लिया। शिविर का समापन डिवीजनल मैनेजर आर. निर्मला द्वारा 106वें वर्ष के स्थापना दिवस के केक काटने के साथ हुआ। उप प्रबंधक टी. अभिषेक ने अपोलो हॉस्पिटल टीम के सदस्यों को सम्मानित किया और सहायक प्रबंधक अरविंद ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

आईएएस अधिकारी की पत्नी ने आत्महत्या की, पत्र में तमिलनाडु में दर्ज मामलों में खुद को निर्दोष बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/अहमदाबाद। गुजरात के आईएएस अधिकारी रंजीत कुमार जे. की अलग रह रही पत्नी ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को संबोधित एक पत्र में उन्होंने दक्षिणी राज्य में उनके खिलाफ दर्ज दो मामलों में खुद को निर्दोष बताया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूर्या (45) की 21 जुलाई को गांधीनगर के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। एक दिन पहले उन्होंने अपने पति के सरकारी आवास के पास एक उद्यान में जहर खा लिया था। कुमार 2005 बैच के आईएएस अधिकारी है। कुमार वर्तमान में गुजरात विद्युत नियामक आयोग (जीईआरसी) के सचिव के पद पर तैनात हैं।

पुलिस ने बताया कि आठ महीने पहले पति को छोड़कर गईं सूर्या शनिवार को जब वापस लौटीं तो वह घर पर नहीं थे, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें घर में प्रवेश करने से रोक दिया। गांधीनगर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) रवि तेजा वासमसेट्टी ने मंगलवार को बताया कि महिला को अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को संबोधित तमिल में लिखा एक पत्र बरामद किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने कहा, पत्र में सूर्या ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि उन्हें दो झूठे मामलों में फंसाया गया है। वह करीब आठ महीने पहले यहां से अपना घर छोड़कर तमिलनाडु में अपने दोस्त राजा के साथ रह रही थीं। पुलिस ने बताया कि सूर्या के खिलाफ हत्या के आरोपी को शरण देने समेत दो मामले दर्ज थे। वासमसेट्टी ने कहा, सूर्या फरार थी और पुलिस उसका पीछा कर रही थी। पत्र में उसने दावा किया है कि वह फिर से अपने पति के साथ रहने की उम्मीद में गांधीनगर वापस आई थी।

मंगलवार को विधान सौधा परिसर स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और अन्य मंत्रीगण।

ईडी वाल्मीकि निगम घोटाले में मुझे गैरकानूनी तरीके से फंसाना चाहती है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को केंद्र पर 'कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम' घोटाले में उन्हें गैरकानूनी तरीके से फंसाकर कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। सिद्दरामय्या ने वाल्मीकि निगम में 187 करोड़ रुपये की अनियमितताओं की जांच के दौरान ईडी की कथित मनमानी के खिलाफ मंगलवार को विधान सौधा परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास कांग्रेस विधायकों के प्रदर्शन के दौरान ये आरोप लगाए।

सिद्दरामय्या ने दावा किया कि ईडी ने सामाजिक कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक बी कल्लेश को पूछताछ के लिए बुलाया और उन पर लिखित में यह देने के लिए दबाव डाला कि इस घोटाले में मुख्यमंत्री शामिल थे। उन्होंने आरोप लगाया, ''ईडी के अधिकारियों ने कल्लेश को मेरा और अन्य मंत्रियों का नाम लेने के लिए मजबूर किया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर राजकोष से 43.33 करोड़ रुपये जारी किए गए।'' उन्होंने कहा, ''हमारा उस घोटाले से कोई लेना-देना नहीं है। न तो मेरी और न ही वित्त विभाग की उसमें कोई भूमिका है। कल्लेश को धमकाया गया क्योंकि वे (ईडी) गैरकानूनी तरीके से मुझे फंसाना चाहते हैं।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि कल्लेश की शिकायत पर ईडी अधिकारियों के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, केंद्र राज्य सरकार को अस्थिर करना चाहता है, मुझे निशाना बनाना चाहता है, मेरी छवि खराब करना चाहता है और राज्य के लोगों के बीच यह धारणा बनाना चाहता है कि हम अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के खिलाफ हैं। सिद्दरामय्या ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के दौरान कई घोटाले हुए लेकिन ईडी जांच में शामिल नहीं हुई। उन्होंने कहा, ईडी और सीबीआई सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं, जिसके खिलाफ हमने आज प्रदर्शन किया है। हम इस मुद्दे को कर्नाटक विधानसभा और विधान परिषद में उठाएंगे। लोकतंत्र में यह बेहद खतरनाक कदम है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्होंने पार्टी आलाकमान से बात की है जो फैसला लेगी। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, मंत्रियों और विधायकों ने प्रदर्शन में भाग लिया।

निक्षय मित्र बनाकर राजस्थान को करें टीबी मुक्त : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रदेश की जिला रेडक्रॉस शाखाओं द्वारा रक्तदान शिविरों के साथ अंगदान, देहदान और नशा मुक्ति के लिए भी विशेष कार्य करने का आह्वान करते हुए टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत रेडक्रॉस सोसायटी सदस्यों द्वारा निक्षय मित्र बनाकर राजस्थान को टीबी मुक्त किए जाने पर जोर दिया है।

मिश्र मंगलवार को राजभवन में आयोजित इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जनजातीय क्षेत्र विकास तथा विश्वविद्यालय से जुड़े स्थानीय मुद्दों की विशेष समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जनजाति क्षेत्रों में रेडक्रॉस गतिविधियों को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता जताते हुए कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक कार्य हों।

उन्होंने जिला कलेक्टरों से प्रदेश के विश्वविद्यालयों द्वारा यूनिवर्सिटी सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी के तहत गांव गोद लेकर उनके विकास के किए जा रहे कार्यों में सहभागी बनने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि गांव गोद लेकर विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों का जिला कलक्टर स्तर पर समयबद्ध प्रगति रिपोर्ट दी जाए। इससे गांव के लोगों को विकास योजनाओं का उनकी भागीदारी से प्रभावी लाभ मिल सकेगा। उन्होंने जिला कलक्टर स्तर पर राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों की भूमि, भवन और अन्य स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए भी समुचित कार्यवाही किए जाने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने वर्षा के मौसम में जिलों में एक पेड़ मां के नाम के तहत सघन वृक्षारोपण के लिए भी सभी को मिलकर प्रयास किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने रेडक्रॉस द्वारा विश्वविद्यालयों एवं निजी संस्थानों में भी रक्तदान शिविरों के आयोजन करने, राज्य व जिला शाखाओं में एम्बूलेंस सेवाओं को और अधिक प्रभावी करने तथा जिलों में चिकित्सालय, लैब सुविधाएं बढ़ाने में सहयोग करने और न्यूनतम दरों पर जरूरतमंदों को भोजन और चिकित्सा उपकरण निशुल्क उपलब्ध करवाये जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा के लिए अधिकाधिक प्रयास होने चाहिए।

उन्होंने जिला कलेक्टरों को जिन जिला रेडक्रॉस शाखाओं के पास भवन या भूखंड नहीं है, वहां त्वरित इसके लिए कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जिला शाखाओं में रेडक्रॉस सोसायटी के न्यूनतम पांच सौ आजीवन सदस्य बनाए जाने, जिलों में एनीमिया नियंत्रण, सिलोकोसिस नियंत्रण और अन्य आवश्यकताओं के लिए सीएसआर हेतु प्रस्ताव बनाकर प्रभावी कार्यवाही करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कुष्ठरोग मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत इस रोग के उन्मूलन के लिए भी जिलों में विशेष कार्य किए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कुष्ठरोग उन्मूलन के साथ रोगियों के पुनर्वास हेतु भी मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में जिला कलेक्टरों ने बताया कि राज्य में 33 जिलों के अलावा 14 और जिलों में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन कर लिया गया है। शेष तीन जिलों में भी एक सप्ताह में इस संबंध में कार्यवाही कर ली जाएगी। इसके साथ ही अब राज्य के सभी जिलों में रेडक्रॉस शाखाओं का गठन सुनिश्चित हो सकेगा।

बजट से गदगद हुए केंद्रीय मंत्री शेखावत, बोले- विकसित भारत के लिए रोडमैप बनाने वाला बजट; 'जय भारत'

जयपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के लिए जो रोडमैप बनाया है, वित्त मंत्री ने उस अनुरूप ही रोजगार, कौशल विकास, व्यापार-उद्योग जगत तथा मध्यम वर्ग के लिए आगे बढ़ने के शानदार अवसर प्रस्तुत किए हैं। महत्वपूर्ण है कि इसमें भारत की उदात्त संस्कृति और भारतीयता का परिचय देने वाले अद्वितीय स्थलों को अनिवार्य स्थान मिला है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नालंदा को एक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किए जाने की घोषणा भारत के शिक्षा, साहित्य और अध्यात्म से समृद्ध गौरवशाली इतिहास से न्याय है। नालंदा विवि प्राचीन भारत में शिक्षा के विश्व में सर्वश्रेष्ठ स्तर का संपूर्ण उदाहरण था। इसे वर्तमान में नया प्रकाश देने की सोच से ही प्रधानमंत्री जी पिछले दिनों नालंदा विवि के नए कैंपस के शुभारंभ अवसर पर गए थे। यह घोषणा बारंबार स्वागत योग्य है। बजट- 2024 कहता है जय भारत-जय भारती।

केन्द्रीय बजट गरीब महिला, युवा और अन्नदाता को समर्पित: जलदाय मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जलदाय मंत्री कन्हैयालाल ने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट मील का पत्थर साबित होगा। इस बजट से देश का सुदृढ़ विकास होगा। केंद्रीय बजट युवाओं, किसानों उद्यमियों एवं कर्मचारियों सहित जनजाति समुदाय को राहत प्रदान करने वाला है। जलदाय मंत्री ने कहा कि रोजगार संबद्ध प्रोत्साहन के तहत 290 लाख युवाओं को लाभान्वित किया जाएगा।

कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 5 वर्षों की अवधि में 20 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3 करोड़ मकान बनाए जाने का प्रावधान केंद्रीय बजट में किया गया है, इससे निश्चित तौर पर उन गरीबों को संबल मिलेगा जिनके पास रहने का पक्का घर नहीं है।

जलदाय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनजाति समूह की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए भी संवेदनशील हैं। इसलिए केंद्रीय बजट में जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की घोषणा की गई है, जिसमें 63 हज़ार गांवों को शामिल कर 5 करोड़ जनजातीय लोगों को लाभान्वित किया जाएगा।

जलदाय मंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट में एमएसएमई को बढ़ावा देने, विनिर्माण क्षेत्र में एमएसएमई के लिए ऋण गारंटी योजना, संकट की अवधि के दौरान बैंक ऋण जारी रखने का प्रावधान किया गया है, जिससे उद्यमियों को जरूर राहत मिलेगी। मुद्रा ऋण की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख कर केंद्र सरकार उद्यमियों के विकास के लिए कटिबद्ध है।

जलदाय मंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट में जलापूर्ति और स्वच्छता को बढ़ावा देने का प्रावधान किया गया है। साथ ही पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत एक करोड़ घरों को प्रतिमाह 300 यूनिट तक नि:शुल्क बिजली उपलब्ध कराने के लिए रूफटॉप सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। केंद्रीय बजट में वेतन भोगी कर्मचारियों के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन में बढ़ोतरी करते हुए नई कर व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है, इससे वेतन भोगी कर्मचारियों को निश्चित तौर पर आयकर में लाभ मिलेगा।

राजस्थान में डबल इंजन की सरकार से डबल विकास के दावे भ्रामक साबित हुए : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान तथाकथित डबल इंजन की सरकार से डबल विकास के भ्रामक दावे के बगैर प्रधानमंत्री जी का कोई भाषण समाप्त नहीं होता था। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने लिखा है- वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किये गए बजट में राजस्थान को केवल निराशा हाथ लगी है। ऐसा लगा कि राजनीतिक कारणों से केन्द्र सरकार ने केवल आंध्र प्रदेश एवं बिहार को ही पूरे देश का बजट सौंप दिया हो। भौगोलिक एवं सामाजिक रूप से हमारे राजस्थान को विशेष पैकेज की आवश्यकता थी परन्तु पूरे बजट भाषण में राजस्थान का नाम तक नहीं आया जबकि पिछले

विधानसभा चुनाव के दौरान तथाकथित डबल इंजन की सरकार से डबल विकास के भ्रामक दावे के बगैर प्रधानमंत्री जी का कोई भाषण समाप्त नहीं होता था। हमें आशा थी कि केन्द्र सरकार इस बजट में एठउझ को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देगी एवं एठउझ के लिए विशेष फंड मिलेगा लेकिन केन्द्र सरकार ने एठउझ पर भी कोई घोषणा ना कर राजस्थान के हितों के साथ खिलवाड़ किया है।

पहले भाजपा सरकार का वादा 2 करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष का था परन्तु अब 5 साल में 1 करोड़ इंटर्नशिप एवं 5,000 रुपये महीने देने की घोषणा बजट में की गई है। महंगाई को काबू करने के लिए इस बजट में कोई उपाय नहीं किए गए हैं। ना तो पेट्रोल डीजल पर कोई टैक्स कम किया गया और ना ही रसोई गैस सस्ती की गई। राजस्थान में हमारी सरकार ने 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया। जब राजस्थान राज्य ऐसा कर सकता है तो केन्द्र सरकार ऐसा क्यों नहीं कर सकती? पूरे बजट भाषण को पढ़ने के बाद जनता निराश है। ऐसा दिशाहीन बजट देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में शायद ही कामयाब हो।

एसआई भर्ती परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले के आरोपी का अवैध मकान ढहाया

जयपुर।चूरू नगर परिषद की एक टीम ने राजस्थान पुलिस उप-निरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021 के प्रश्नपत्र लीक मामले के आरोपी के अवैध रूप से निर्मित पक्के मकान को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई सोमवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच की गई। सहायक अभियंता रवि राघव के नेतृत्व में नगर परिषद की टीम जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर के साथ पूनिया कॉलोनी पहुंची तथा प्लॉट नंबर 114 व 115 पर बने अवैध मकान को ढहा दिया। पुलिस उपाधीक्षक सुनील कुमार ने कहा, एसआई प्रश्नपत्र लीक मामले में गिरफ्तार आरोपी विवेक भांभू ने अवैध रूप से मकान बनवाया था, जिसे सोमवार को ध्वस्त कर दिया गया। राजस्थान पुलिस का एसओजी (विशेष अभियान समूह) प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच कर रहा है। उसने इस संबंध में प्रशिक्षु एसआई समेत कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

फतहसागर झील से निकाले दो युवकों के शव

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में एतिहासिक फतहसागर झील में से सिविल डिफेंस की टीम ने मंगलवार को दो युवकों के शव निकाले। पुलिस ने बताया कि शहर के अम्बा माता थाना क्षेत्र में खारोल कालोनी निवासी विवेक खारोल ने सोमवार को झील में छलांग लगा दी थी। जिसके शव को ढूंढने के लिए कल दिन भर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया था लेकिन शव नहीं मिला। रात को रेस्क्यू ऑपरेशन बंद कर सिविल डिफेंस की टीम आज सुबह फिर से विवेक के शव की तलाश में फतहसागर झील पहुंची। इसी दौरान एक अन्य युवक का शव झील पर तैरता हुआ दिखाई दिया। सिविल डिफेंस की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन कर उसे बाहर निकाला। जिसकी पहचान नंद किशोर सुवालका निवासी गायरियावास के रूप में हुई। बताया गया है कि मृतक किशोर सुवालका प्रतिदिन सुबह घूमने के लिए फतहसागर झील आते रहते हैं। झील में गिरने का कारण का पता नहीं चला है। इसके कुछ देर बाद टीम को विवेक खारोल का शव भी मिल गया। दोनों मृतकों के शवों को एमबी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जवानी में धोखाधड़ी करके भागा आरोपी बुढ़ापे में गिरफ्तार

सिरोही। रकम दोगुनी करने का लालच देकर धोखाधड़ी करने के आरोप में पिछले 24 साल से फरार योगेश शर्मा पुत्र नारायण स्वरूप शर्मा को कालंद्री थानाधिकारी उदयसिंह की अगुवाई में हेड कांस्टेबल सोनाराम एवं कांस्टेबल योगेंद्रसिंह की टीम ने जयपुर से गिरफ्तार किया। पुलिस ने श्याम नगर थाना पुलिस के सहयोग से फरार चल रहे योगेश शर्मा पुत्र नारायण स्वरूप शर्मा को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ कालंद्री थाने में 10 अगस्त 1998 को उसकी जमा रकम को डबल करने का लालच देकर धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया गया था। वह बीते 24 साल से फरार चल रहा था। इस मामले में कालंद्री निवासी श्रीमती कैलाशदेवी पत्नि गंगाधर श्रीमाली ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

महिला ने बेटे के साथ ट्रेन के आगे कूद कर आत्महत्या की

जयपुर। राजस्थान में अजमेर जिले के अलवर गेट थाना क्षेत्र में कल देर रात एक महिला ने अपने चार महीने के मासूम बेटे के साथ ट्रेन के आगे कूद कर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। थानाधिकारी श्याम सिंह ने बताया कि जगदंबा कालोनी की प्रियंका चौरसिया (24) और उसके चार महीने के मासूम बेटे हरयांश के शव मदार रेलवे स्टेशन के पास पटरी पर पाये गये। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जीआरपी थाने से पुलिस को सूचित किया गया था। उन्होंने बताया कि मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिये गये। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि प्रियंका के पति और मां ने उसे स्कूटी चलाने से रोका था, इस बात से नाराज होकर वह अपने बेटे के साथ घर से निकल गई और ट्रेन के आगे कूद गई। उन्होंने बताया कि संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

अज्ञात बदमाशों ने रेलवे लाइन पर सरिया डाला, हादसा टला

जयपुर। राजस्थान के डूंगरपुर जिले में कुछ अज्ञात बदमाशों ने रविवार देर रात रेलवे लाइन पर सरिया डाल दिया। हालांकि, वहां से गुजरने वाली ट्रेन के चालक ने समय पर ब्रेक लगा दिया, जिससे संभावित हादसा टल गया। पुलिस ने बताया कि असारवा-जयपुर एक्सप्रेस के रविवार रात करीब 11 बजे डूंगरपुर स्टेशन से रवाना होने के कुछ ही देर बाद यह घटना घटी। पुलिस के मुताबिक, लगभग चार किलोमीटर की यात्रा के बाद लोको पायलट ने पटरियों पर पड़े सरिये को दूर से देख लिया और ब्रेक लगा दिए।

नेता की गाड़ी से चेक चुराकर झूठे मुक़दमे करने वाला गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चूरू। सुजानगढ़ कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को कर्मचारी संघ के शिक्षक नेता गुरुदेव गोदारा की गाड़ी से चेक चुराकर झूठे मुकदमे करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। मामले में इस्तगासे के माध्यम से 13 जनवरी 2020 को दर्ज रिपोर्ट में परिवादी गुरुदेव गोदारा पुत्र मनीराम गोदारा निवासी बाघसरा पूर्वी ने बताया कि 13 अप्रैल 2019 को वह अपने रिश्तेदार की शादी में गया था। जहां रतनलाल दादरवाल ने उसकी वहां खड़ी कार से दो चेक बुक चुरा ली। जिसमें 24 चेक थे ,इसके बाद उसने दोनों चेक में रकम भरकर फर्जी हस्ताक्षर कर बैंक में लगा दिए और चेक बाउंस करवाकर झूठा मामला दर्ज करवा दिया। मुकदमे में दिसम्बर 2023 में आई एफएसएल रिपोर्ट में रतनलाल को दोषी पाया गया। जिसके बाद सोमवार को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को पुलिस ने चेक बरामदगी के लिए उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगा है।

एसपी ने छात्राओं को कराया साइबर सुरक्षा से रूबरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। मंगलवार को अजमेर पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार बिश्नोई ने सोफिया कन्या महाविद्यालय मे छात्राओं के लिए साइबर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें साइबर सिक्योरिटी तथा उसके मुद्दे और चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि एसपी देवेंद्र कुमार बिश्नोई थे। उन्होंने छात्राओं को अपनी मर्यादा और उसमें नियमों का पालन करने की सलाह दी साथ ही उन्होंने छात्राओं को सही जानकारी प्राप्त करने के लिए जागरूक किया। उन्होंने सत्य घटनाओं द्वारा बालिकाओं को जागरूक किया और अपने मोबाइल को सही उपयोग में लेने की सलाह दी। छात्राओं ने जानकारी को बहुत जागरूक होकर सुना और समझा। कार्यक्रम में भीकाराम काला ट्रैफिक इंस्पेक्टर भी उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य प्रोफेसर सिस्टर पर्ल ने मुख्य अतिथि बिश्नोई को स्मृति चिन्ह भेंट कर धन्यवाद ज्ञापित किया, मंच का संचालन डॉ रितु भार्गव प्रवक्ता कंप्यूटर साइंस विभाग ने किया। इस मौके पर कंप्यूटर साइंस विभाग के अध्यक्ष गौतम, प्रकाश जैन, डॉक्टर नेहा शर्मा, किरण भगनानी, ऋषि सक्सेना, लवीना गंगवानी, चांदनी शर्मा, पूजा दीक्षित सहित अन्य मौजूद रहे।

अनेक इलाकों में सामान्य से अधिक गर्मी, उमस से लोग परेशान

जयपुर। राजधानी जयपुर सहित राज्य के अनेक इलाकों में कई दिन से अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है और लोग उमस से परेशान हैं। हालांकि बीते चौबीस घंटे में राज्य के चित्तौड़गढ़ व जोधपुर जिले में कई जगह भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार इस समय राज्य के भरतपुर, जयपुर, बीकानेर संभाग में अधिकतम तापमान 36-43 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है जो कि सामान्य से 2 से 5 डिग्री सेल्सियस ऊपर हैं। हवा में नमी की मात्रा अधिक होने के कारण उमस भरी गर्मी आगामी 24 घंटों के दौरान जारी रहने की संभावना है। तत्पश्चात अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस गिरावट होने की संभावना है।

इसके अनुसार आज मंगलवार को भरतपुर, जयपुर, कोटा संभाग तथा शेखावाटी क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी बारिश व एक दो स्थानों पर अति भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं पूर्वी राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, उदयपुर, कोटा व अजमेर संभाग के अनेक स्थानों पर आगामी चार-पांच दिन बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है वहीं पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग में जोधपुर संभाग के कुछ भागों में मेघ गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है।

गत पांच साल में पिछली सरकार ने राजस्थान पर कर्ज का भार दोगुना किया : बाघमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजु बाघमार ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि पिछली सरकार ने गत पांच साल में राज्य पर कर्ज का भार दोगुना कर दिया।

वह प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का वित्त मंत्री की ओर से जवाब दे रही थीं। उन्होंने बताया कि 2017-18 में 31 मार्च 2018 तक कुल ऋण और देनदारी दो लाख 81 हजार 182 करोड़ रुपये था तथा पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान 2023-24 में यह ऋण भार दोगुने से भी ज्यादा बढ़कर पांच लाख 70 हजार 646 करोड़ रुपये हो गया।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में 1951 से लेकर 2017-18 तक 67 सालों के दौरान जितना कर्ज नहीं लिया गया, उससे ज्यादा पूर्ववर्ती सरकार ने पिछले पांच साल में लेकर प्रदेश पर दो लाख 89 हजार 464 करोड़ रुपये ऋण का भार बढ़ा दिया, जिसके कारण राज्य सरकार

के ब्याज भुगतान में भी अत्यधिक वृद्धि हुई है। डॉ. बाघमार ने बताया कि 2017-18 में ऋण जीएसडीपी अनुपात 33.77 प्रतिशत था, जो पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल के दौरान 2023-24 में लगभग चार प्रतिशत बढ़कर 37.44 प्रतिशत हो गया। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार द्वारा इस वर्ष बजट में ऋण जीएसडीपी अनुपात में कमी करते हुए इसे 35.97 प्रतिशत तक सीमित रखने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि 2024-25 के परिवर्तित अनुमानों के अनुसार कुल ऋण एवं देनदारी अनुमानत: छह लाख 40 हजार 687 करोड़ 27 लाख रुपये है। उनका कहना था कि साथ ही एफआरबीएम अधिनियम 2005 के अनुसार इसे जीएसडीपी का 38.20 प्रतिशत तक लाया जाना वांछित है।

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए कृत संकल्पित है। उन्होंने बताया कि इस वित्त वर्ष में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 27 हजार 660 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

बैसाखी वाली सरकार की कुर्सी बचाने और जनता को बहलाने वाला बजट : जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने केंद्रीय बजट को बैसाखी वाली सरकार को बचाने एवं जनता को बहलाने और आर्थिक झूठ के

पुलिंदों वाला बजट करार दिया है। जूली केन्द्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि बजट का एकमात्र विज़न केन्द्र की बैसाखी वाली सरकार को बचाना है, इसके लिए बजट में 41 हजार करोड़ सरकार के सहयोगी प्रदेशों को दिए गए हैं, जो कि अन्य राज्यों के हितों पर कुठाराघात है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने अपनी सरकार को बचाने वाले बिहार को 26 हजार और आंध्र प्रदेश को 15 हजार करोड़ रुपए दिए हैं जबकि डबल इंजन सरकार की दुहाई देने वाले राजस्थान को बजट में सिर्फ आश्वासन का सब्जबाग दिखाया गया है।

उन्होंने कहा कि बजट में राजस्थान को कुछ नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि पहले गुजरात पर फोकस हुआ करता था लेकिन अब तीन राज्यों पर बल दिया गया है।राजस्थान को खाली हाथ रखकर सौतेला व्यवहार किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बजट में राजस्थान की उपेक्षा कर प्रदेश की पर्ची वाली सरकार को केवल झुनझुना थमा दिया है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान ने दो बार 25 सांसद दिए, इस बार भी 14 सांसद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुने गए लेकिन फिर भी राजस्थान को कोई विशेष सौगात नहीं मिल सकी।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार के समय दी गई सौगातों पर भी चुप्पी साध ली गई।

बजट से राजस्थान को हुई पूरी तरह से निराशा : डोटासरा

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मंगलवार को केंद्र पर केंद्रीय बजट में राजस्थान की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा,इस बजट से राजस्थान को पूरी तरह से निराशा हुई है। किसी भी योजना में राजस्थान को पैसा नहीं दिया गया है। बजट से सभी वर्गों को निराशा हुई है।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मंगलवार को पेश किये गये केंद्रीय बजट की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, राजस्थान तो बजट से पूरी तरह से गायब है। यह जो बजट है वह केवल अपनी सत्ता को बचाने का मोदी सरकार का प्रयास मात्र है। डोटासरा ने कहा,आप देख सकते हैं कि बिहार, तमिलनाडु एवं आंध्र प्रदेश पर यह बजट टिका हुआ है। उनको वह अलग से पैकेज दे सकते हैं लेकिन राजस्थान को न पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) का पैसा मिलेगा, न किसानों के लिए एमएसपी मिलेगी, न युवाओं के वास्ते रोजगार का उसमें कोई रोडमैप है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार केवल अपनी सरकार बचाने के लिए काम कर रही है न कि देश के लिए काम कर रही है।

मिजोरम को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ने की परियोजना लगभग पूरी हुई:एनएफआर

लखनऊ/भाषा। यूट्यूबर सिद्धार्थ यादव उर्फ एल्विश यादव अपनी पार्टियों में नशे के लिए सांप के जहर के संदिग्ध इस्तेमाल और उससे संबंधित वित्तीय लेनदेन से जुड़े धनशोधन के एक मामले में पूछताछ के लिए मंगलवार को यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुआ। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। ईडी यहां अशोक मार्ग स्थित अपने क्षेत्रीय कार्यालय में उसका बयान दर्ज करेगी।

केंद्रीय एजेंसी ने मई में मामला दर्ज किया था और उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) जिले में पुलिस द्वारा एल्विश यादव और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज एक प्राथमिकी और आरोप पत्र का संज्ञान लेने के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आरोप लगाए थे।

'अमृत काल' के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला बजट : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को संसद में पेश केन्द्रीय बजट को 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और 'अमृत काल' के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला बजट बताया है।

योगी ने पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत आम बजट (2024-25) सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी, विकासोन्मुखी होने के साथ ही 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और 'अमृत काल' के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला है। उन्होंने 'एक्स' पर अपने संदेश में भी कहा, आम बजट 2024-25 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण का आर्थिक दस्तावेज है। इसमें अंत्योदय की पावन भावना, विकास की असीम संभावना और नवोन्मेष की नव-दृष्टि है। उन्होंने लिखा, इस बजट में गांव, गरीब, किसान, महिला, नौजवान समेत समाज के सभी तबकों के समग्र विकास का संकल्प, हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दृष्टि और वंचित को वंचना से मुक्त कराने का रोडमैप है। मुख्यमंत्री ने कहा, मध्यम वर्ग को बड़ी राहत प्रदान करते हुए प्रत्यक्ष कर प्रणाली के संबंध में नए प्रावधानों की घोषणा

स्वागतयोग्य है। उन्होंने मोदी और सीतारमण का आभार प्रकट करते हुए कहा, 'नए भारत' को पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था और विश्व का 'ग्रोथ इंजन' बनाने का मार्ग प्रशस्त करते इस लोक-कल्याणकारी बजट के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार एवं केंद्रीय वित्त मंत्री जी का हार्दिक अभिनंदन। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि समाज के हर तबके के लिए बजट में किया गया प्रावधान रामराज्य की अवधारणा को साकार करने वाला है। उन्होंने कहा कि बजट में अन्नदाता किसानों की समृद्धि, कृषि एवं सहायक क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये और महिला सशक्तिकरण के लिए तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है जिससे सर्वाधिक लाभान्वित देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की आधी आबादी होने वाली है।''

योगी ने कहा ,''खास तौर पर तब, जब उत्तर प्रदेश 2020 से ही 'मिशन शक्ति' के कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से जमीनी धरातल पर उतार रहा है। सर्वाधिक अन्नदाता किसान उत्तर प्रदेश में हैं। उन अन्नदाता किसानों की समृद्धि में संसद में प्रस्तुत आम बजट बड़ी भूमिका का निर्वहन करने वाला है।'' उन्होंने युवाओं के लिए लाखों नौकरियों के साथ-साथ मध्यमवर्गीय परिवार के लिए आयकर में नए 'टैक्स स्लैब' की रियायत को स्वागतयोग्य बताया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मध्यमवर्गीय परिवारों को करों में आज सबसे बड़ी छूट मिली है और यह मांग लंबे समय तक चली आ रही थी। मंगलवार को केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 का आम बजट लोकसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि इसमें रोजगार, कौशल विकास, एमएसएमई और मध्यम वर्ग पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया है।

गोवा शिपयार्ड ने नौसेना के लिए 'त्रिपुट' युद्धपोत का जलावतरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। वास्को स्थित गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) ने भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे दो 'पी11356 युद्धपोत' में से पहले युद्धपोत 'त्रिपुट' का मंगलवार को जलावतरण किया। यह युद्धपोत अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित है। गोवा के राज्यपाल पी.एस. श्रीधरन पिल्लई ने युद्धपोत का जलावतरण किया, जबकि उनकी पत्नी रीता पिल्लई ने इसे 'त्रिपुट' नाम दिया।

नौसेना के उपप्रमुख वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, पश्चिमी कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय सिंह, भारतीय नौसेना के युद्धपोत उत्पादन एवं अधिग्रहण के नियंत्रक वाइस एडमिरल बी. शिवकुमार इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे। राज्यपाल पिल्लई ने कहा, हमारी नौसेना किसी भी देश की चुनौती का सामना करने और अपने देश की संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है। भारतीय नौसेना की भूमिका दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा, आज के बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में, राष्ट्र कई चुनौतियों का सामना करते हैं। युद्धपोत का जलावतरण हमारे हितों की रक्षा के लिए देश की तैयारियों और प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रदर्शन है। पिल्लई ने कहा कि स्थानीय परिस्थितियों में बदलाव के बीच इस जहाज का जलावतरण एक मजबूत संदेश भेजता है कि हमारा देश शांति एवं स्थिरता के अलावा अपनी अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, यह किसी भी क्षेत्रीय आक्रमण का जवाब देने के लिए तैयार एक मजबूत और सक्षम रक्षा बल बनाए रखने के हमारे दृढ़ समर्पण को दर्शाता है।

बजट में महाराष्ट्र के लिए पर्याप्त बजट, नकारात्मक माहौल नहीं बनाया जाए : फडणवीस ने विपक्ष से कहा

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि केंद्रीय बजट में इस पश्चिमी राज्य के लिए पर्याप्त आवंटन के बाद भी विपक्ष नकारात्मक माहौल बनाने का प्रयास कर रहा है। फडणवीस ने मुंबई में संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि विपक्षी दलों ने बजट आने से पहले ही केंद्र सरकार के खिलाफ नकारात्मक धारणा प्रस्तुत करने के लिए अपनी प्रतिक्रिया तैयार कर ली थी। उन्होंने कहा, ''बजट में महाराष्ट्र के लिए पर्याप्त आवंटन शामिल है। विपक्ष को सलाह दी जाती है कि वह प्रतिक्रिया देने से पहले बजट का गहन अध्ययन कर ले।''इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सबसे बड़ा करदाता राज्य है, उसके बावजूद बजट में उसके खिलाफ पूर्वाग्रह नजर आता है।

'पूर्वोदय' योजना से ओडिशा की पूरी क्षमता का दोहन होगा: धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने गृह प्रदेश ओडिशा समेत देश के पूर्वी क्षेत्र के विकास के लिए 'पूर्वोदय' योजना बनाने के सरकार के फैसले की मंगलवार को तारीफ की। प्रधान ने कहा, ''मानव संसाधन, बुनियादी ढांचे और आर्थिक अवसरों के विकास पर व्यापक ध्यान देने तथा पर्यटन, मंदिरों, समुद्र तटों और शिल्पकला के विकास के लिए ओडिशा को सहायता देने से उसके जैसे संसाधन संपन्न और प्राकृतिक रूप से संपन्न राज्य की पूरी क्षमता का दोहन होगा।''

ओडिशा के संबलपुर से लोकसभा सदस्य ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में पूर्वी भारत, विशेषकर मेरा खूबसूरत राज्य ओडिशा समृद्धि का केन्द्र तथा भारत के भविष्य के आर्थिक विकास का प्रमुख चालक होगा।'' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को

2024-25 के लिए केंद्रीय बजट पेश करते हुए घोषणा की कि सरकार बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए 'पूर्वोदय' योजना तैयार करेगी।

प्रधान ने संवाददाताओं से कहा, ''मैं प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री के प्रति आभारी हूं कि उन्होंने 'विकसित भारत' के बजट के अंतर्गत ओडिशा सहित देश के पूर्वी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्वोदय योजना तैयार करने का निर्णय लिया है।''

बीजद ने बजट को 'ओडिशा विरोधी' करार दिया, भाजपा ने बताया 'विकासोन्मुखी'

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने मंगलवार को पेश केंद्रीय बजट 2024-25 को 'ओडिशा विरोधी' करार दिया। दोनों दलों ने दावा किया कि केंद्र ने राज्य की वाजिब चिंताओं को नजर अंदाज किया है। दूसरी ओर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केंद्रीय बजट को 'विकासोन्मुखी' करार दिया और कहा कि इससे रोजगार के अवसर सृजित करने में मदद मिलेगी। बीजद के उपाध्यक्ष एवं विधायक प्रसन्ना आचार्य ने आरोप लगाया कि केंद्र ने आंध्र प्रदेश की पोलावरम सिंचाई परियोजना को पूरा करने की घोषणा कर ओडिशा की वाजिब चिंताओं को नजर अंदाज किया है। उन्होंने कहा कि संदेह है कि पोलावरम सिंचाई परियोजना पूरी होने से ओडिशा के आदिवासी बहुल मल्कानगिरी जिले में एक बड़ा भूभाग जलमग्न हो जाएगा। आचार्य ने तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) का संदर्भ देते हुए कहा, '' फैसला भेदभावपूर्ण है। यह दिखाता है कि सरकार भाजपा की सहयोगी द्वारा शासित आंध्र प्रदेश के पक्ष में फैसले कर रही है। भाजपा उसके सदस्यों के समर्थन पर निर्भर है।'' उन्होंने कहा कि बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक लगातार केंद्र के समक्ष पोलावरम के मुद्दे को उठाते रहे हैं और इसकी वजह से ओडिशा के आठ गांवों के डूबने की आशंका है।

नौसेना प्रमुख ने मुंबई गोदी में आईएनएस ब्रह्मपुत्र को हुई क्षति का जायजा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

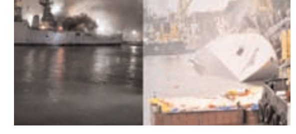

मुंबई/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने मंगलवार को मुंबई गोदी में जाकर युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्र को हुए नुकसान का जायजा लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले अग्रिम मोर्चे पर सेवा देने वाले युद्धपोत पर आग लग गई थी। अधिकारी ने बताया, ''नौसेना प्रमुख ने बल की गोदी का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने युद्धपोत की मरम्मत के लिए उठाए जाने वाले अगले कदम पर भी चर्चा की।''

युद्धपोत में आग लगने के बाद से उस पर सवार एक नाविक लापता है। पोत मुंबई की नौसेना गोदी में है। अधिकारी ने बताया कि बहुद्देशीय युद्धपोत पर 21 जुलाई की शाम को आग तब लगी जब मुंबई की गोदी में उसका मरम्मत कार्य चल रहा था। नौसेना ने इससे पहले बताया था कि युद्धपोत पर मौजूद चालक दल और गोदी में तैनात दमकल कर्मियों एवं वहां मौजूद अन्य जहाजों की मदद से 22 जुलाई की सुबह आग पर काबू पाया जा सका। इसके बाद आग के संभावित खतरे का आकलन और सफाई का कार्य शुरू किया गया।

अधिकारी ने बताया कि आग से युद्धपोत सोमवार दोपहर एक तरफ (बंदरगाह की ओर) झुक गया और तमाम कोशिशों के बावजूद उसे सीधा नहीं किया जा सका। उन्होंने बताया कि युद्धपोत अब भी एक ओर झुका हुआ है और मौजूदा समय में गोदी की एक ओर खड़ा है।

बिहार में सत्तारूढ़ राजग ने बजट पर खुशी, तो विपक्ष ने नाराजगी जताई

पटना/भाषा। बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने मंगलवार को दावा किया कि केंद्र ने केंद्रीय बजट में अभूतपूर्व सहायता की घोषणा करके राज्य के लिए खजाना खोल दिया है, जो अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए एजेंडा तय करेगा। हालांकि, विपक्ष का मानना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के केंद्र में सत्तारूढ़ राजग के प्रमुख गठबंधन सहयोगी होने के बावजूद, केंद्र सरकार ने बिहार के साथ बुरा व्यवहार किया । उसने घोषणा की कि विशेष श्रेणी के दर्जे की मांग से एक इंच भी पीछे नहीं हटेगी। राज्य के संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने विधानसभा में कहा कि आज दिल्ली में बिहार के लिए अभूतपूर्व मदद की घोषणा की गई है। उन्होंने दावा किया,'' राज्य के लोग बजट में किए गए प्रावधानों से अभिभूत हैं, जिसके लिए हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद देते हैं।'' राजद, कांग्रेस और वामदलों के विधायकों ने विशेष दर्जा न दिए जाने के विरोध में सदन से बहिर्गमन किया।

मणिपुर: मुख्यमंत्री ने सभी से मां के नाम पर एक पेड़ लगाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मंगलवार को लोगों से आग्रह किया कि वे अपनी मां के नाम पर कम से कम एक पेड़ लगाएं और उसकी देखभाल करें ताकि वैश्विक जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का मुकाबला किया जा सके। 75वें वन महोत्सव के अवसर पर सिंह ने कहा, हमें जीवित रहने के साथ-साथ 'ग्लोबल वार्मिंग' के प्रभावों का मुकाबला करने के लिए भी पेड़ लगाने चाहिए।

सिंह ने कहा, हमारा लक्ष्य सितंबर तक कम से कम 70 लाख पौधे लगाना है। उन्होंने कहा, सभी अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाएं और उसकी देखभाल करें। उन्होंने बताया कि अप्रैल में ही नोंगमिजिंग और हेइबोक चिंग में कई जगहों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा, इस साल हमने असम और मिजोरम सहित देश के कई हिस्सों में बाढ़ और ओलावृष्टि देखी। मणिपुर में भी हमने ओलावृष्टि और भीषण बाढ़ देखी। हमें जीवित रहने के लिए प्रकृति की आवश्यकता है, लेकिन प्रकृति को हमारी आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि विधायक और मंत्री भी अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में वृक्षारोपण अभियान चला रहे हैं।

मिजोरम को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ने की परियोजना लगभग पूरी हुई : एनएफआर

गुवाहाटी/भाषा। मिजोरम की राजधानी आइजोल को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ने के उद्देश्य से बनाई जा रही भैरबी-साईरंग नई लाइन रेल परियोजना लगभग 90 प्रतिशत से अधिक पूरी हो गई है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि, मॉनसून के कारण कार्य के सीमित समय, कठिन पहाड़ी इलाके, खराब पहुंच और मिजोरम में निर्माण सामग्री और कुशल श्रमिकों के अभाव जैसी चुनौतियों के बावजूद एनएफआर परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। एनएफआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे. ने कहा कि 51.38 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन पर 93 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है।

परियोजना को चार खंडों, भैरबी-होर्टोकी, होर्टोकी-कावनपुई, कावनपुई-मुआलखांग और मुआलखांग-सैरांग, में विभाजित किया है, जहां के चुनौतीपूर्ण इलाकों में कई सुरंगें और पुल शामिल हैं। इस परियोजना में कुल 12,853 मीटर की सुरंगें शामिल हैं, जिनमें से 12,807 मीटर का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसमें 55 बड़े और 89 छोटे पुल भी शामिल हैं, जिनमें से 47 बड़े पुल और 87 छोटे पुल पहले ही पूरे हो चुके हैं।

दिल्ली पुलिस ने चार शार्पशूटर को किया गिरफ्तार, जीटीबी अस्पताल में गोलीबारी का संदिग्ध भी शामिल

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के यमुनापार इलाके में सक्रिय एक गिरोह के चार शार्पशूटर को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से एक यहां जीटीबी अस्पताल के वार्ड में 32 वर्षीय व्यक्ति की गोली मारकर हत्या करने में कथित तौर पर शामिल था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों की पहचान राहुल सिंह (33), सुहैल (22), मुकेश (27) और समीर (22) के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) प्रतीक्षा गोदारा ने बताया कि समीर जीटीबी अस्पताल हत्याकांड में भी शामिल था। उन्होंने कहा कि ये आरोपी हत्या, डकैती, जबरन वसूली और शस्त्र अधिनियम सहित कई मामलों में वांछित थे। दिल्ली के जीटीबी अस्पताल के एक वार्ड में 14 जुलाई को 32 वर्षीय व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावर एक गैंगस्टर को मारने के लिए अस्पताल गए थे जो हासिम बाबा गिरोह का प्रतिद्वंद्वी था और उसे 12 जून को कुछ लोगों ने गोली मार दी थी। गैंगस्टर कुछ समय के लिए उसी वार्ड में भर्ती था, लेकिन हमलावर ने रियाजुद्दीन नाम के व्यक्ति को गोली मार दी, जो सामने वाले बिस्तर पर लेटा हुआ था।

ममता ने दुर्गा पूजा की दान राशि बढ़ाकर 85,000 रुपए की

अगले साल एक लाख रुपये देने का वादा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुर्गा पूजा का आयोजन करने वाले विभिन्न क्लब के लिए दान राशि में मंगलवार को वृद्धि की घोषणा की, जिसे पिछले साल के 70,000 रुपये से बढ़ाकर 85,000 रुपये कर दिया गया है। आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा के लिए यहां नेताजी इंडोर स्टेडियम में प्रशासनिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए बनर्जी ने घोषणा की कि अगले वर्ष दान की राशि में 15,000 रुपये की वृद्धि की जाएगी, जिससे यह एक लाख रुपये हो जाएगी। बनर्जी ने बैठक के दौरान कहा, ''पिछले साल दान राशि 70,000 रुपये थी और इस साल मैं इसे 15,000 रुपये बढ़ाकर 85,000 रुपये कर रही हूं। उम्मीद है कि पूजा के आयोजन के लिए यह पर्याप्त होगा। हमारी जैसी गरीब सरकार इससे ज्यादा और क्या कर सकती है? हमने 25,000 रुपये के दान से शुरुआत की और धीरे-धीरे इसे बढ़ाया।''

भारत के टी20 विश्व कप जश्न पर अश्विन ने कहा, द्रविड़ चीख और रो रहे थे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि बारबाडोस में भारत की खिताबी जीत के बाद विराट कोहली का पूर्व कोच राहुल द्रविड़ को टी20 विश्व कप ट्रॉफी सौंपना और कोच का खुशी में 'चीखना और रोना' कुछ ऐसा था जो हमेशा उनकी यादों में रहेगा।

पिछले महीने भारत ने दक्षिण अफ्रीका को करीबी फाइनल में हराकर अपना दूसरा टी20 विश्व कप जीता था जिसके बाद पूर्व कोच द्रविड़ ट्रॉफी को हाथ में उठाकर अपनी भावनाएं व्यक्त करते नजर आए थे। अश्विन ने स्वीकार किया कि यह 51 साल के द्रविड़ के लिए विशेष लम्हा था जो खिलाड़ी के रूप में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) का खिताब नहीं जीत पाए लेकिन अंततः कोच के रूप में ऐसा करने में सफल रहे।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर वीडियो में कहा, ''मेरे लिए सबसे शानदार लम्हा वह है जब विराट कोहली राहुल द्रविड़ को बुलाते हैं और उन्हें कप (ट्रॉफी) देते हैं। मैंने उन्हें कप को गले लगाते हुए और रोते हुए देखा।'' उन्होंने कहा, ''राहुल द्रविड़ चीख और रो रहे थे।

मैंने उन्हें इसका लुत्फ उठाते हुए देखा।'' अश्विन का मानना है कि द्रविड़ कैरेबिया में अपने मार्गदर्शन में एक और अभियान को लेकर डरे हुए थे क्योंकि 2007 एकदिवसीय विश्व कप में उनकी कप्तानी में टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी। उन्होंने कहा, ''मैं एक डरे हुए व्यक्ति के बारे में बात करना चाहता हूं। 2007 में 50 ओवर का विश्व कप। भारत बाहर हो गया। राहुल द्रविड़ तब कप्तान थे। उन्होंने इसके बाद एकदिवसीय टीम की कप्तानी नहीं की।'' उन्होंने कहा, ''वह भारतीय टीम के साथ थे। अगर कुछ गलत होता, अगर भारतीय टीम बाहर हो जाती या अगर वे मैच हार जाते तो तुरंत वे पूछते कि द्रविड़ क्या रहे हैं।'' अश्विन ने भारतीय कोच के रूप में द्रविड़ की कड़ी मेहनत को स्वीकार करते हुए कहा कि वह टीम में संतुलन लाए और दृष्टिकोण बदला। उन्होंने कहा, ''मैं जानता हूं कि पिछले दो-तीन वर्षों से वह इस टीम के साथ क्या कर रहे हैं। मैं जानता हूं कि वह कितने संतुलित रहे हैं। मैं जानता हूं कि इस दृष्टिकोण को बदलने के लिए उन्होंने कितनी मेहनत की है।''

अश्विन ने कहा, ''मैं जानता हूं कि उन्होंने अपने प्रत्येक खिलाड़ी को क्या दिया है। यहां तक कि जब वह घर पर बैठे होते हैं तब भी वह यह योजना बनाते रहते हैं कि यह कैसे करना है और वह कैसे करना है।'' द्रविड़ के मार्गदर्शन में भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में भी पहुंचा लेकिन दोनों मौकों पर ऑस्ट्रेलिया से हार गया।

आईओए ने बीपीसीएल को चार साल के लिए मुख्य प्रायोजक बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने मंगलवार को भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) को पेरिस ओलंपिक से 2028 लॉस एंजिल्स खेलों तक चार साल के लिए अपना आधिकारिक मुख्य प्रायोजक नामित किया। महारत्न कंपनी बीपीसीएल और आईओए के बीच सहयोग में राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों, युवा ओलंपिक, शीतकालीन ओलंपिक और शीतकालीन युवा ओलंपिक भी शामिल होंगे।

इस सहयोग के तहत बीपीसीएल पेरिस जाने वाले भारतीय दल का समर्थन करने के लिए तैयार किए गए अभियानों की श्रृंखला शुरू करेगा। इन पहलों का उद्देश्य राष्ट्र को प्रेरित करना, खिलाड़ियों के लिए समर्थन जुटाना और वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता के लिए उनकी निरंतर खोज का जश्न मनाना है। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, '' हम पेरिस ओलंपिक 2024 से शुरू होने वाले चार साल की यात्रा के लिए एक प्रमुख भागीदार के रूप में भारतीय ओलंपिक संघ के साथ साझेदारी करने और भारतीय एथलीटों की क्षमता पर विश्वास जताने करने के लिए बीपीसीएल को धन्यवाद देते हैं।'' उन्होंने कहा, '' यह साझेदारी खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और भारत के लिए एक खाका तैयार करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है।'' बीपीसीएल के चेयरमैन और महाप्रबंधक जी कृष्ण कुमार ने कहा, ''हमारे देश की खेल प्रतिभाओं को उनके प्रारंभिक वर्षों से और उनके खेल करियर के दौरान पोषण और प्रोत्साहित करने के बीपीसीएल के सिद्धांत के तहत हमने पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न खेलों में 200 से अधिक खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ा है।'' उन्होंने कहा, '' हम आईओए से साझेदारी कर के काफी खुश है।''

सुविचार

हजारों उलझनें राहों में और
कोशिशें बेहिसाब, इसी का
नाम है ज़िन्दगी चलते रहिये जनाब।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'विकसित भारत' के निर्माण का खाका

मोदी सरकार के लगातार तीसरी बार सत्ता में आने के बाद पेश किए गए पहले बजट में प्रधानमंत्री द्वारा लोकसभा चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने की कोशिश नजर आई। इसके साथ ही 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए संकल्प की झलक भी दिखी। रोजगार और कौशल पर पांच योजनाओं से युवाओं को सर्वाधिक लाभ होगा। इन योजनाओं की देश को बहुत जरूरत है। इनके जरिए युवा अपने कौशल को निखारेंगे तो रोजगार के कई अवसर उनके हाथों में होंगे। बजट में नौ प्राथमिकताओं का उल्लेख कर सरकार ने बता दिया है कि वह 'विकसित भारत' के लिए दृढ़ संकल्पित है। कृषि में उत्पादकता, रोजगार और कौशल प्रशिक्षण, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, अवसंरचना, नवाचार, अनुसंधान और विकास तथा अगली पीढ़ी के सुधार जैसे बिंदु महानगरों से लेकर गांव-ढाणियों तक विकास की नई इबारत लिखने में सक्षम हैं। कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपए के आवंटन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। प्राकृतिक खेती के लिए 10,000 आवश्यकता आधारित जैव-आदान संसाधन केंद्र स्थापित किए जाने की घोषणा भी रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी। तीन वर्षों में किसानों और उनकी जमीनों को शामिल करने के लिए कृषि में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) को लागू करने से लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से निजात मिलेगी, पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा। औद्योगिक सहयोग से महिला छात्रावास और क्रेचों की स्थापना से कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। महिला केंद्रित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों और स्वयं सहायता समूह उद्यमों को बढ़ावा देने से परिवार सशक्त होंगे।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की 100 शाखाएं खोलने का फैसला सराहनीय है। इससे डिजिटलीकरण में तेजी आएगी। जनजातीय-बहुल गांवों और आकांक्षी जिलों में परिवारों के सामाजिक-आर्थिक विकास के संकल्प से 5 करोड़ लोगों को लाभ होगा। 'तरुण' श्रेणी के अंतर्गत मुद्रा ऋणों की सीमा को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए करने से उद्यमियों को लाभ होगा। एमएसएमई को उनकी संकट अवधि के दौरान बैंक ऋण जारी रखने की सुविधा के लिए नई व्यवस्था से ऋण सहायता का फैसला इन उद्यमों को ताकत देगा। ई-कॉमर्स निर्यात केंद्रों की स्थापना से उद्यमियों के पास अपने माल की बिक्री के लिए विस्तृत बाजार उपलब्ध होगा। 30 लाख से ज्यादा जनसंख्या वाले 14 बड़े शहरों के लिए कार्यान्वयन और वित्तपोषण रणनीति के साथ आवागमन उन्मुखी विकास योजनाएं तैयार करने से इन शहरों के लोगों का जीवन आसान होगा। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत 2.2 लाख करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता सहित 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश से लोगों के लिए घर का सपना सच होगा। अगले 10 वर्षों में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को 5 गुणा बढ़ाने के लिए 1,000 करोड़ रुपए की उद्यम पूंजी निधि से इस क्षेत्र में कई संभावनाएं आकार लेंगी। सोलर सैल और पैनलों के विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाली पूंजीगत वस्तुएं सीमा शुल्क के दायरे से बाहर करने से हर घर तक सौर ऊर्जा पहुंचाने का सपना साकार होगा। नई कर व्यवस्था में वेतनभोगी कर्मचारी को आयकर में 17,500 रुपए तक की बचत एक उल्लेखनीय राहत है। सरकार ने सामाजिक सुरक्षा लाभों, रोजगार और निवेश, कैपिटल गेन का सरलीकरण, 25 महत्त्वपूर्ण खनिजों को सीमा शुल्क से पूरी तरह छूट, सोने और चांदी पर सीमा शुल्क में कमी, विष्णुपद मंदिर गलियारा, महाबोधि मंदिर गलियारा और राजगीर का व्यापक विकास, ओडिशा के मंदिरों, स्मारकों और प्राचीन समुद्री तटों के विकास के लिए सहायता समेत ऐसी कई घोषणाएं की हैं, जिनका लाभ सर्वसमाज को किसी-न-किसी रूप में जरूर मिलेगा। अब सरकार को चाहिए कि वह इन घोषणाओं को जल्द धरातल पर उतारे।

ट्वीटर टॉक

मोदी सरकार का 18वीं लोकसभा का यह पहला बजट विकसित भारत के विराट संकल्प को पूरा करने के लिए समर्पित है। इस बजट में वंचितों को वरीयता मिली। यह बजट आज गांव, गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, नौकरी पेशा सभी के सपनों को पूरा करेगा।

-सीपी जोशी

एनपीएस-वात्सल्य नामक एक योजना शुरु की जाएगी, जिसमें अव्यस्कों के माता-पिता और उनके अभिभावकों द्वारा योगदान दिया जाएगा जब एक अव्यस्क व्यक्ति व्यस्क हो जाएगा, तब इस योजना को निर्बाध ढंग से एक सामान्य एनपीएस खाते में बदला जा सकेगा

-निर्मला सीतारमन

बजट 2024 में नालंदा को एक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किए जाने की घोषणा भारत के शिक्षा, साहित्य और अध्यात्म से समृद्ध गौरवशाली इतिहास से न्याय है। नालंदा विवि प्राचीन भारत में शिक्षा के विश्व में सर्वश्रेष्ठ स्तर का संपूर्ण उदाहरण था।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

संस्कारों का महात्म्य

महाराजा दिलीप अयोध्या के वनों में स्थित ऋषि-मुनियों के आश्रमों में उनके दर्शनार्थ गए तो राजकुमार रघु को अपने साथ ले गए। महाराजा ने प्रत्येक ऋषि के चरण स्पर्श किए। उनसे आशीर्वाद ग्रहण किया। राजकुमार ने भी चरण-स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। लौटते समय राजकुमार रघु ने रथ में बैठे-बैठे पिता से पूछा, 'आप राज-काज का काम करने वाले उच्च श्रेष्ठिजनों को भी इतना सम्मान नहीं देते जितना इन बूढ़े साधु-महात्माओं को देते हैं। राज्य के हित में इनका क्या योगदान है?' महाराजा दिलीप ने उसे समझाते हुए कहा, 'वत्स, ये ऋषिजन ही तो राज्य के बच्चों तथा किशोरों को अच्छे संस्कार देते हैं। इनकी आदर्श शिक्षाओं तथा आशीर्वाद से ही तो हमारी अयोध्या नगरी सुखी और समृद्ध है।' राजकुमार रघु ऋषि-मुनियों के महत्व को समझ गए।

सामयिक

रोजगार और विकास का बजट

अवधेश कुमार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2024-25 के बजट पर आम प्रतिक्रियाएं अपेक्षाओं के अनुरूप ही है। हालांकि सामान्य दृष्टि से भी देखें तो यह बजट ऐसा है जिसमें विपक्ष को तीखी आलोचनाओं के लिए ठोस आधार प्राप्त नहीं हो सकता। लोकसभा चुनाव के पूर्व से लेकर अभी तक विपक्ष ने इस सरकार पर युवाओं, किसानों, गरीबों को नजरअंदाज करने तथा बेरोजगारी बढ़ने का आरोप लगाया है। इस बजट का आरंभ ही युवाओं और रोजगार सृजन से हुआ। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के संकल्प पत्र में भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है और इसके संदर्भ में अंतरिम बजट में काफी प्रावधान किए गए थे। यह बजट उसी का विस्तारित रूप है। बजट को समग्रता में देखे जाने की आवश्यकता है। यह एक साथ व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन के साथ कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहित करने, मैन्युफैक्चरिंग को आगे बढ़ाने, स्वरोजगार सृजन पर बल देने, भारत की विरासत तीर्थ और पर्यटन स्थलों को विकसित करने तथा सबके लिए आवश्यक आधारभूत संरचना के विस्तार पर फोकस करने वाला बजट है। यानी यह नरेंद्र मोदी सरकार की पूर्व नीतियों को आगे बढ़ा रहा है। ऐसा नहीं है कि इसमें आलोचना के बिंदु नहीं है। मध्यमवर्ग को प्रत्यक्ष कर में अपेक्षित राहत नहीं मिली तो कुछ ऐसे करों की बात है जिनके बारे में तार्किक उत्तर देना थोड़ा कठिन है। बावजूद भारत के वर्तमान और भविष्य की दृष्टि से इसे एक शानदार बजट कहा जा सकता है।

यह बजट फिर एक बार बता रहा है कि नरेंद्र मोदी सरकार का भारत को लेकर सपना क्या हैं। उन्होंने पहले भी अपने भाषणों तथा पिछले सारे बजट में वैसे भारत की रूपरेखा प्रस्तुत की है जो वर्तमान अर्थव्यवस्था के मानदंड में विश्व के शीर्ष देशों की कतार में हो, जहां लोगों को जीविकोपार्जन के साधन हों, स्किल से भरे युवाओं तथा समाज का हर वर्ग युवा, महिला, किसान, बुजुर्ग, कारोबारी सबके बीच संतुलन भी हो। किंतु इन सबके साथ भारत अपने अध्यात्म, सभ्यता, संस्कृति और विरासत की मूल पहचान के साथ विकसित भारत बने। इस बजट में इन सपनों का समग्रता से समावेश है लेकिन इसका मुख्य यूएसपी रोजगार है। आप देखेंगे कि 10 वर्षों के अनुभवों के आधार पर उन सारे क्षेत्रों को चिन्हित किया गया जहां-जहां सबसे ज्यादा फोकस करने की आवश्यकता है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का फोकस रोजगार बढ़ाने पर हैं। बजट में गरीब, महिला, युवा और किसान पर जोर है।

विकसित भारत के लिए प्राथमिकताओं के आधार पर नौ क्षेत्रों पर फोकस का अर्थ व्यवहारिक नीतियों का आधार तय हो जाना है। ये हैं, कृषि में उत्पादकता और लचीलापन, रोजगार और कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढाँचा, नवाचार, अनुसंधान और विकास तथा अगली पीढ़ी के सुधार। रोजगार की दृष्टि से देखें तो 2 लाख करोड़ रुपये के केंद्रीय परिव्यय के

साथ 5 वर्षों में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा के लिए जिन पांच योजनाओं और पहलों के लिए प्रधानमंत्री पैकेज की घोषणा है वो व्यावहारिक हैं। शिक्षा, रोजगार और कौशल के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है। अंतरिम बजट भाषण में बताया था कि स्किल इंडिया मिशन के तहत देश में 1.4 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है, 54 लाख को अपस्किल या रि-स्किल किया गया है। पीएम मुद्रा योजना के तहत युवा उद्यमियों को 43 करोड़ के मुद्रा योजना ऋण दिए गए। 3000 नए आईटीआई,सात आईआईटी, 16 आईआईआईटी, सात आईआईएम, 15 एम्स और 390 विश्वविद्यालय का निर्माण किया गया है। वस्तुत: नेशनल कैरियर सर्विस पोर्टल पर पदों की संख्या बढ़कर 1.09 करोड़ हो गई है, लेकिन नौकरी के लिए पंजीकरण करवाने वालों की संख्या 87.2 लाख ही है। नौकरी की संख्या बढ़ने के बावजूद काफी युवा वंचित हैं तो इसका कारण स्किल के मापदंड पर खरा नहीं उतरना है। तक हम स्किल के मापदंडओं पर काफी पीछे हैं ।

इस दृष्टि से बजट में युवाओं की इंटर्नशिप की एक ऐसी विशिष्ट योजना है जिसकी ओर पहले ध्यान नहीं गया था। एक करोड़ युवाओं को अगले पांच साल में शीर्ष-500 कंपनियों में 12 महीने के लिए इंटर्नशिप की योजना इस बजट का प्रमुख आकर्षण है। सीधे काम करते हुए स्किल विकास की ऐसी योजना पहले नहीं आई थी। इसमें इंटर्नशिप करने आए युवाओं तथा कंपनियों पर भी बहुत ज्यादा भार नहीं दिया गया है। युवाओं को हर महीने पांच हजार रुपये का भत्ता तथा एकमुश्त मदद के रूप में छह हजार रुपये दिए जाएंगे। कंपनियों को कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत प्रशिक्षण का खर्च और इंटर्नशिप की 10 प्रतिशत लागत वहन करना होगा। कॉरपोरेट अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत हर वर्ष एक निश्चित राशि खर्च करते हैं। उन्हें उसी में से प्रदान करना है। इस तरह यह पूरी तरह व्यावहारिक है। कल्पना करिए अगर यह सफल रहा तो आने वाले समय में भारत कैसे स्किल वाले युवाओं का देश बन जाएगा। प्रधानमंत्री के पैकेज के हिस्से के रूप में योजनाओं के माध्यम से रोजगार से जुड़े कौशल की घोषणा भी विशिष्ट है। इसके तहत सभी औपचारिक क्षेत्रों में पहली बार काम करने वालों को एक महीने का वेतन मिलेगा। एक महीने के वेतन का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), 15,000 रुपये तक तीन किस्तों में प्रदान किया जाएगा जिसकी पात्रता सीमा 1 लाख रुपये प्रति माह का वेतन होगी।

इससे 2.1 लाख युवाओं को लाभ मिलने की उम्मीद की गई है। इस तरह की योजना भी पहले नहीं आई थी । आर्थिक सर्वेक्षण में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में केवल 11.97 रोजगार का चिंताजनक आंकड़ा दिया गया है। स्वाभाविक ही कुछ नए कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। रोजगार सृजन को पहली बार कर्मचारियों के रोजगार से जुड़ी योजना के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाएगा। यह योजना रोजगार के पहले चार वर्षों के दौरान सरकार प्रत्येक अतिरिक्त कर्मचारी के लिए दो साल तक प्रति माह 3,000 रुपए तक के ईपीएफओ योगदान करेगी। इससे 50 लाख लोगों के अतिरिक्त रोजगार को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य है। इस तरह की कई घोषणाएं बताती है कि कितनी गहराई से विचार किया गया है।

रोजगार अपने आप में अर्थव्यवस्था में टापू नहीं हो सकता। संपूर्ण विकास और उसमें स्थिरता सतत स्थाई रोजगार पैदा होने का आधार होता है । स्थायी रोजगार स्वयं में पैदा होता रहता है। आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया है कि रोजगार सृजन में कृषि का हिस्सा अभी भी 457 है। यानी कृषि को ठीक से संभाला जाए तो यह विकास के साथ-साथ बेहतर रोजगार का साधन उपलब्ध कराने का दीर्घकालिक क्षेत्र साबित होगा। कृषि और उससे जुड़े सेक्टर के लिए 1लाख 52 हजार करोड़ दिया गया है जो पिछले साल 1 लाख 25 हजार करोड़ से 21.67 ज्यादा है। 400 जिलों में फसलों का सर्वे से वहां किसानों के लिए कौन सा फसल उपयुक्त और लाभदायक होगा उसके प्रचार और प्रोत्साहन पर काम होगा। 32 फसलों की 109 नई किस्में आएंगी।

किसानों की आय बढ़ाने की बात लगातार की जाती है लेकिन वह संतोषजनक स्तर पर पहुंचेगी कैसे? खेती की लागत घटे, किसानों की फसलों का उपयुक्त मूल्य मिले यह आवश्यक है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए फसलों का विविधिरण, खेती के तरीके बदलना, फलों और सब्जियां के पैदावार में वृद्धि, उनके भंडारणऔर विपणन की सुनिश्चित व्यवस्था व्यापक स्तर पर अभी तक नहीं हो पाई है। बजट में इन सब पर समान बल देना बताता है कि नीतियां सही दिशा में हैं। दाल और दलहन के मामले में आत्मनिर्भरता और इनके उत्पादन, भंडारण और विपणन पर फोकस है। खाद्य तेल वाली फसलों जैसे सरसों, मूंगफली, सूरजमुखी और सोयाबीन के उत्पादन को बढ़ाने, सब्जियों के उत्पादन और आपूर्ति शृंखला के लिए कलस्टर बनाने, भंडारण और विपणन के ढांचों का विकास और प्रसार, एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती की ओर मोड़ने, कृषि के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की योजना के साथ राज्यों ने सहयोग किया तो कृषि क्षेत्र की तस्वीर बदल सकती है। 5 राज्यों में नए किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने और नाबार्ड के जरिए किसानों को मदद दी जाने की बात है।

बजट के सारे प्रस्तावों पर यहां विचार करना संभव नहीं। मूल बात है नरेंद्र मोदी सरकर लोक लुभावन घोषणाओं से बचते हुए देश के समग्र विकास के लिए दूरगामी सोच और योजनाओं पर आगे बढ़ रही है। बिहार और आंध्रप्रदेश के पैकेज को राजनीतिक व्यवस्था में बांध दिया गया है। बिहार में गया, बोधगया राजगीर और नालंदा का विकास क्या केंद्र का दायित्व नहीं है? गया संपूर्ण विश्व के हिंदुओं के लिए पितरों का सर्वप्रमुख श्रद्धा स्थल है। विष्णुपाद मंदिर उसका केंद्र है और उसकी दशा वाराणसी के तर्ज पर बदल जाए तो यह बड़ी बात होगा। इन क्षेत्रों के विकास से न केवल भारत का स्वरूप निखरेगा, बल्कि तीर्थ यात्रियों, पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि होगी। इस तरह कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत ने स्वयं को अपनी पहचान के साथ विकसित देश के रूप में खड़ा करने की दिशा में गति बना दी है। गठबंधन सरकार से नीतियों पर प्रभाव नहीं पड़ा तो यह अच्छा संकेत है।

बजट के सारे प्रस्तावों पर यहां विचार करना संभव नहीं। मूल बात है नरेंद्र मोदी सरकर लोक लुभावन घोषणाओं से बचते हुए देश के समग्र विकास के लिए दूरगामी सोच और योजनाओं पर आगे बढ़ रही है। बिहार और आंध्रप्रदेश के पैकेज को राजनीतिक व्यवस्था में बांध दिया गया है। बिहार में गया, बोधगया राजगीर और नालंदा का विकास क्या केंद्र का दायित्व नहीं है? गया संपूर्ण विश्व के हिंदुओं के लिए पितरों का सर्वप्रमुख श्रद्धा स्थल है। विष्णुपाद मंदिर उसका केंद्र है और उसकी दशा वाराणसी के तर्ज पर बदल जाए तो यह बड़ी बात होगा।

आस्था

बारिश और व्रत त्योहारों के साथ सावन मास शुरू

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

इंद्र की कृपा दृष्टि के साथ 22 जुलाई से शिवजी की आराधना का महापर्व शुरू हो गया है जो 19 अगस्त 2024 तक चलेगा। इस साल सावन माह में करीब 72 साल बाद दुर्लभ संयोग बन रहा है। सावन महीना व्रत-त्योहार के लिहाज से अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि इस महीने में रक्षाबंधन, नागपंचमी, हरियाली तीज, सावन शिवरात्रि जैसे कई महत्वपूर्ण पर्व मनाए जाते हैं। सुहाने मौसम के साथ सावन मास का आना सब दृष्टियों से मन को लुभाने वाला था। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मंदिरों में जाकर शिव की पूजा की और अपने परिवार के साथ देश की खुशहाली की कामना की। मान्यताओं के अनुसार सावन के महीने में भोलेभंडारी की पूजा-उपासना और मंत्रोचार करने पर शिवजी जल्दी प्रसन्न होते हैं। सावन के महीने में सुबह जल्दी उठकर स्नान करके साफ-सुथरे कपड़े धारण करें। इसके बाद अपने घर के पास स्थित शिव मंदिर जाकर भगवान शिव का गंगाजल, शुद्ध जल, दूध, दही, शहद और गन्ने के रस से अभिषेक करें। भारत त्योहारों और पर्वों का देश है। यहाँ हर महीने रंगीले त्योहार मनाये जाते है मगर सावन माह इनमें अलग और अनूठा है। भगवान शिव की पूजा-आराधना और मनोकामना की पूर्ति के लिए सावन का महीना बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। सावन महीना 22 जुलाई से शुरू हो गया है। मान्यता है कि भगवान शंकर की कृपा पाने के लिए यह महीना अति उत्तम होता है। भगवान शिव को समर्पित सावन माह को श्रावण मास के नाम से भी जानते हैं। सावन के महीने को बेहद पवित्र और हिंदु धर्म में महत्वपूर्ण माना जाता है. इस महीने में सावन के

सोमवार पड़ते हैं जिनमें भोलेनाथ की पूजा की जाती है। इस महीने में भक्त कावड़ यात्रा पर भी निकलते हैं. वहीं, सावन में और भी कई तीज-त्योहार पड़ रहे हैं।

भीषण गर्मी के बाद सावन का महीना तन मन को हर्षित करता है। सावन के महीने में चारों तरफ हरियाली रहती है। सावन सोमवार में शिवलिंग का जलाभिषेक,बेलपत्र और भोलेनाथ की पूजा करने पर विशेष फल की प्राप्ति होती है। सावन मास में बारिश के आगमन से धरती का कोना-कोना हरा-भरा होकर खिल उठता है। इस महीने में चारों तरफ हरियाली छा जाती है मानो प्रकृति ने फिर से जन्म लिया हो, और सृष्टि का फिर से निर्माण हो रहा हो, पूरा वातावरण झूमने लगता है, प्रकृति फिर से सुंदर हो जाती है, सब को लुभाने लगती है। चूंकि श्रावण अमावस्या पर पेड़-पौधों को नया जीवन मिलता है और इनकी वजह से ही मानव जीवन सुरक्षित रहता है।

देश में हर महीने का एक अलग महत्व है। लेकिन सावन के महीने को भगवान शंकर से जोड़कर देखा जाता है। इसलिए इसका महत्व बढ़ जाता है। हिंदू धर्म में सावन के महीने का बहुत महत्व है। सावन में हर ओर हरियाली छाई होती है। बारिश के सुहावने मौसम में पेड़ पौधे खिल उठते है। श्रावण मास में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। शास्त्रों के अनुसार श्रावण मास भगवान भोलेनाथ को सबसे अधिक प्रिय है। इसे मनोकामनाओं को पूरा करने का महीना भी कहा जाता है। इस माह में सोमवार का व्रत और सावन स्नान की भी परंपरा है। सावन महीने से वर्षा ऋतु की शुरूआत होती है जिस वजह से चारों तरफ हरियाली छा जाती है। मैदान से लेकर पहाड़ तक हरियाली की चादर ओढ़ लेते हैं। प्रकृति के सौंदर्य का यह नजारा वाकई अद्भभुत होता है। सावन का महीना खुद को प्रकृति से जोड़ने का महीना होता है। इसलिए लोग हरा रंग पहन कर अपने आप को प्रकृति से जोड़ते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन आने पर हर तरफ हरियाली छा जाती है। जो ना सिर्फ आंखों को खुश करती है बल्कि आपके मन को भी शांति प्रदान करती है।

इस महीने में शंकर भगवान की पूजा पाठ चारों तरफ अराधना की कवायद लगी हुई दिखाई देती हैं। जीवन में भक्ति रस का का अपना अनूठा स्थान हैं। दिन रात भजन कीर्तन करते रहने की खुशी होती है। सावन के आते ही सबके मन में हरियाली छा जाती हैं। प्रकृति के लिहाज से भी श्रावन मास का खास महत्व है। प्रकृति हरी-भरी रहती है। बागों के फूल हंसते इठलाते खुशी से खिल जाने से मुस्कान बिखेर लज्ञा से झुकने लग जाते है। सावन के प्रत्येक सोमवार को भगवान शिव को जल अवश्य अर्पित करना चाहिए। रात्रि में जमीन पर शयन करना चाहिए। अगर नौ या सोलह सोमवार व्रत करना संभव ना हो तो सावन के चार सोमवार व्रत किए जा सकते हैं। दूध से अभिषेक करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। सावन माह में किसी भी तरह का विवाद करने से बचना चाहिए। किसी को भी बुरा न बोलें। यह माह दांम्पत्य जीवन में खुशियां लाता है। गरीब, वृद्ध, दुर्बल और पशुओं को न सताएं। मान्यता है कि भगवान शिव को चावल अर्पित करने से धन की प्राप्ति होती है। तिल अर्पित करने से पापों का नाश होता है। जौ अर्पित करने से सुख में वृद्धि होती है। गेहूं अर्पित करने से संतान वृद्धि होती है। यह सभी अन्न भगवान को अर्पित करने के बाद गरीबों में बांट देना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

नई दिल्ली में मंगलवार को महाराष्ट्र के विपक्षी सांसदों ने मानसून सत्र के दौरान संसद में विरोध प्रदर्शन किया।

कनाडा में स्वामी नारायरण मंदिर को विरूपित किया गया

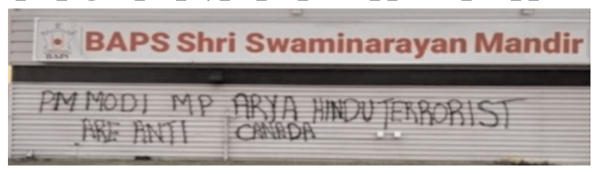

ओटावा/भाषा। कनाडा के एडमॉन्टन शहर में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर की दीवार पर कथित तौर पर घृणास्पद और भारत विरोधी बातें लिखकर उसे विरूपित किए जाने का मामला सामने आया है।

वैंकूवर में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''हम एडमॉन्टन में बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर को भारत विरोधी नारे लिखकर विरूपित किए जाने की निंदा करते हैं। हमने कनाडाई अधिकारियों से घटना की जांच करने और अपराधियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।'' मंदिर संचालन संस्था बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण (बीएपीएस) ने इस मामले में अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। एडमॉन्टन सेंटर से सांसद/प्रतिनिधि रैंडी बोइसोनॉल्ट ने कहा, ''एडमॉन्टन मंदिर को पेंट से विरूपित किया गया, उस स्थान की दीवारों पर घृणित बयानबाजी लिखी गई, जो शरणस्थली होना चाहिए था। कनाडा में घृणा का कोई स्थान नहीं है – पूजा और प्रार्थना के स्थानों पर तो कतई नहीं। यह घटना निंदनीय है और हमारे शहर के मूल्यों के विरुद्ध है।'' कनाडा में हिंदू व्यापारिक समुदाय के हितों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित 'कैनेडियन हिंदू चैंबर ऑफ कॉमर्स' के एक बयान में कहा गया, ''यह घटना न केवल एक भौतिक संरचना पर हमला है, बल्कि हिंदू समुदाय की भावनाओं और हमारे समाज के सम्मान एवं सहिष्णुता के सिद्धांतों का भी अपमान है।'

हमास और फतह ने वर्षों से जारी मतभेद खत्म करने के लिए बीजिंग में घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामल्ला (वेस्ट बैंक)।गाजा पट्टी में गहराते युद्ध संकट के बीच फलस्तीन के प्रतिद्वंद्वी समूहों हमास और फतह ने वर्षों से जारी आपसी मतभेदों को खत्म करने के लिए बीजिंग में एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। चीन के सरकारी मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

गाजा पट्टी में गहराते युद्ध संकट के बीच यह घोषणापत्र फलस्तीनी क्षेत्र में मिलकर सरकार बनाने के मकसद से हमास और फतह को एकजुट करने के लिए जारी कई दौर की बातचीत का नतीजा है। हालांकि, दोनों पक्ष आपसी मतभेद दूर करने के लिए पहले भी कई ऐसे घोषणापत्र पर दस्तखत कर चुके हैं, जो विफल रहे हैं। ऐसे में इस बात को लेकर संदेह पैदा हो गया है कि क्या चीन प्रायोजित वार्ता से वास्तव में कोई समाधान निकल सकता है।

इस घोषणापत्र पर ऐसे समय में हस्ताक्षर किए गए हैं, जब इजराइल और हमास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थित संघर्ष-विराम प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं, जो गाजा पट्टी में नौ महीने से जारी युद्ध को समाप्त कर सकता है और हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों की आजादी का रास्ता खोल सकता है। हालांकि, समझौते पर सहमति बनने के बावजूद युद्ध के बाद गाजा पट्टी की स्थिति को लेकर संशय बरकरार रहेगा, क्योंकि इजराइल इस क्षेत्र के शासन में हमास की किसी भी भूमिका के खिलाफ है। उसने युद्ध समाप्त होने के बाद गाजा को फतह-प्रभुत्व वाले फलस्तीनी प्राधिकरण द्वारा संचालित करने के अमेरिका के आह्वान को भी खारिज कर दिया है। युद्ध के बाद गाजा पट्टी के प्रशासन को लेकर अनिश्चितता के कारण संघर्ष विराम वार्ता और जटिल हो गई है।

सरकारी प्रसारणकर्ता 'सीसीटीवी' के मुताबिक, फलस्तीन के दोनों प्रतिद्वंद्वी समूहों ने मतभेद खत्म करने और फलस्तीनी एकता को मजबूत करने के संबंध में बीजिंग घोषणापत्र पर दस्तखत किए।

इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने मंगलवार को इस समझौते को खारिज कर दिया और कहा कि गाजा में हमास एवं फतह का कोई संयुक्त शासन नहीं होगा ''क्योंकि हमास के शासन को कुचल दिया जाएगा।'' चीनी टेलीविजन चैनल 'सीजीटीएन' ने सोशल मीडिया मंच 'वीबो' पर एक पोस्ट में कहा कि फलस्तीन के दोनों प्रतिद्वंद्वी समूहों ने 12 अन्य राजनीतिक गुटों के साथ चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की और इसके साथ ही रविवार को शुरू हुई बातचीत का समापन हुआ। बीजिंग में हालिया वार्ता के बाद जारी एक संयुक्त बयान में इस संबंध में कोई विवरण नहीं दिया गया है कि सरकार कब और कैसे बनेगी।

प्रदर्शन

पटना में मंगलवार को राजद की वरिष्ठ नेता राबड़ी देवी और पार्टी के एमएलसी ने बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

महिलाओं के खिलाफ हिंसा आतंकवाद जैसा खतरा : ब्रिटेन की पुलिस ने दी चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन। ब्रिटेन के पुलिस प्रमुख ने मंगलवार को कहा कि महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा अत्यधिक बढ़ गई है और पुलिस इससे आतंकवाद के खतरे के तौर पर निपट रही है।

'नेशनल पुलिस चीफ्स काउंसिल' और 'कॉलेज ऑफ पुलिसिंग' द्वारा तैयार की गई एक नई रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन की पुलिस ने 2022 से 2023 के बीच महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसक अपराधों के 10 लाख से अधिक मामले दर्ज किये हैं जो इस अवधि के दौरान दर्ज किये गए कुल मामलों का पांचवां हिस्सा है।

इसी अवधि में हर छह में से एक हत्या घरेलू हिंसा से संबंधित थी। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि हर साल 12 में से एक महिला यौन अपराध, बलात्कार, पीछा करने, उत्पीड़न या ऑनलाइन यौन उत्पीड़न जैसे अपराधों का शिकार होती है। हालांकि, यह संख्या बहुत अधिक हो सकती है क्योंकि इस तरह के अपराध के कई मामले सामने ही नहीं आ पाते हैं।

उप प्रमुख कांस्टेबल मैगी ब्लिथ ने एक बयान में कहा, ''महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा एक राष्ट्रीय आपात स्थिति है।'' उन्होंने कहा, ''हमें बदलाव लाने के लिए एक समाज के रूप में आगे बढ़ना होगा और महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को अपरिहार्य मानना बंद करना होगा।''

ब्रिटेन की सरकार ने पिछले वर्ष, महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को सार्वजनिक सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय खतरा माना था, तथा पुलिस से कहा गया था कि उसे इस मुद्दे को आतंकवाद और गंभीर संगठित अपराध के समान प्राथमिकता देना चाहिए।

विष्णुपद, महाबोधि कॉरिडोर को विश्वस्तरीय तीर्थ और पर्यटन स्थल बनाया जाएगाः सीतारमण

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को घोषणा की कि बिहार के गया में स्थित विष्णुपद मंदिर कॉरिडोर और बोधगया में महाबोधि मंदिर कॉरिडोर के व्यापक विकास को सरकार समर्थन देगी ताकि उन्हें 'विश्व स्तरीय तीर्थ और पर्यटन स्थल' बनाया जा सके।

वित्त मंत्री ने कहा कि ये गलियारे सफल काशी विश्वनाथ मंदिर गलियारे की तर्ज पर बनाए जाएंगे।

विष्णुपद मंदिर फल्गू नदी के किनारे स्थित सबसे प्राचीन हिंदू मंदिरों में से एक है, वहीं महाबोधि मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।

सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा, ''पर्यटन हमेशा हमारी सभ्यता का हिस्सा रहा है। भारत को वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने के हमारे प्रयासों से रोजगार सृजन होगा, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा तथा अन्य क्षेत्रों के लिए आर्थिक अवसर खुलेंगे।'' अंतरिम बजट में रेखांकित उपायों के अलावा वित्त मंत्री ने पर्यटन क्षेत्र के लिए कुछ और प्रस्ताव रखे। उन्होंने कहा, ''बिहार के गया में विष्णुपद मंदिर और बोधगया में महाबोधि मंदिर का आध्यात्मिक महत्व बहुत अधिक है। विष्णुपद मंदिर कॉरिडोर और महाबोधि मंदिर कॉरिडोर के व्यापक विकास को सहयोग दिया जाएगा और इन्हें सफल काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर के प्रारूप पर विश्व स्तरीय तीर्थ और पर्यटन स्थलों में तब्दील किया जाएगा।''

वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में बिहार के राजगीर तथा नालंदा में विकास की घोषणाएं भी कीं। उन्होंने कहा, ''राजगीर हिंदुओं, बौद्धों और जैनियों के लिए बहुत धार्मिक महत्व रखता है। जैन मंदिर परिसर में 20वें तीर्थंकर मुनिसुव्रत का प्राचीन मंदिर है। सप्तऋषि या सात गर्म झरने गर्म पानी वाले पवित्र ब्रह्म कुंड का निर्माण करते हैं। राजगीर के लिए एक व्यापक विकास पहल की जाएगी।'' सीतारमण ने कहा, ''हमारी सरकार नालंदा विश्वविद्यालय को उसके गौरवशाली स्वरूप में पुनर्जीवित करने के अलावा नालंदा को एक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने का समर्थन करेगी।''

ब्रिटिश-पाकिस्तानी कट्टरपंथी उपदेशक आतंकी संगठन को दिशा-निर्देश देने के लिए दोषी करार

लंदन/भाषा। ब्रिटिश-पाकिस्तानी कट्टरपंथी इस्लामवादी उपदेशक अंजम चौधरी को एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन को दिशा-निर्देश देने का दोषी पाया गया और संयुक्त अंतरराष्ट्रीय जांच के बाद ब्रिटेन में उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा सकती है।

चौधरी (57) को अल-मुहाजिर (एएलएम) में ''कार्यवाहक की भूमिका'' निभाते पाया गया था और लंदन के 'वूलविच क्राउन कोर्ट' में सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि उसने 2014 के बाद एक महत्वपूर्ण अवधि के लिए आतंकवादी समूह को दिशा-निर्देश दिए थे और ऑनलाइन माध्यम से की गई बैठकों को संबोधित करके संगठन के लिए समर्थन को प्रोत्साहित किया था।

एनटीआर जूनियर के साथ मल्टी-स्टारर फिल्म में काम करना चाहते हैं धनुष

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार धनुष, मल्टीस्टारर फिल्म में एनटीआर जूनियर के साथ काम करना चाहते हैं। धनुष इन दिनों अपनी आगामी परियोजना 'रायण' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने 'रांझणा', 'द एक्स्ट्राऑर्डिनरी जर्नी ऑफ द फकीर' जैसी फिल्मों और राष्ट्रीय फिल्मों के साथ-साथ कई अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में अपने उल्लेखनीय अभिनय के लिए व्यापक पहचान हासिल की है। हाल ही में एक फिल्म के प्रचार के दौरान उनसे पूछा गया कि यदि उन्हें मल्टी-स्टारर फिल्म करने का मौका मिले तो क्या वह किसी खास अभिनेता के साथ काम करना चाहेंगे।

फिल्म 'रायण' के प्रचार कार्यक्रम के दौरान जब होस्ट ने उनसे रैपिड-फायर राउंड में पूछा कि वह किस अभिनेता के साथ मल्टी-स्टारर प्रोजेक्ट में काम करना चाहेंगे, तो उन्होंने तुरंत मैन ऑफ मास एनटीआर जूनियर का नाम लिया। मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर को उनके दमदार अभिनय और लोगों को आकर्षित करने के लिए जाना जाता है, जबकि धनुष अपने दमदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। इन दो प्रतिभाशाली अभिनेताओं को एक साथ एक फिल्म में देखना अविश्वसनीय रूप से रोमांचक होगा।

संवाददाता सम्मेलन

नई दिल्ली में मंगलवार को कांग्रेस पार्टी के नेता पी. चिदंबरम और सुप्रिया श्रीनेत ने नई दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

मनोरंजन उद्योग में नेटवर्किंग और रिश्ते बेहद महत्वपूर्ण : सुम्बुल तौकीर

मुंबई/एजेन्सी

अपने करियर पर बात करते हुए एक्ट्रेस सुम्बुल तौकीर ने कहा कि सीखना एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि वह फिलहाल अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की ओर काम कर रही है। काव्या – एक जज्बा, एक जुनून में मुख्य भूमिका निभाने वाली सुम्बुल ने बताया कि मैं हर अनुभव से सीखने और अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए काम करती हूं। आजकल मैं अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ अपने काम में भी सुधार लाने की कोशिश कर रही हूं। उन्होंने कहा कि ये कौशल मुझे बेहतर प्रदर्शन करने और उद्योग में विभिन्न भूमिकाओं और चुनौतियों के लिए लचीला बने रहने में मदद करते हैं।

एक्ट्रेस को लगता है कि मनोरंजन उद्योग में सामाजिक होना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे नए कनेक्शन और संपर्क बनाने में मदद मिलती है। सुम्बुल ने बताया कि मनोरंजन उद्योग में नेटवर्किंग और रिश्ते बहुत महत्वपूर्ण हैं। वे हमें नए अवसरों और सीखने की ओर ले जाते हैं। मुझे लगता है कि यह केवल संपर्क बनाने के बारे में नहीं है, बल्कि रिश्तों को स्वीकार करने के बारे में भी है।

एक्ट्रेस ने इस बात पर जोर दिया कि मनोरंजन उद्योग में तालमेल बैठाना बेहद ही आवश्यक है क्योंकि यहां चीजें तेजी से बदलती हैं। उन्होंने कहा कि मैं नए विचारों के साथ खुला रहना चाहती हूं, लगातार अपने कौशल में सुधार करना चाहती हूं और अलग-अलग भूमिकाएं और चुनौतियां लेना चाहती हूं। मुझे पता है कि असफलताएं यात्रा का हिस्सा हैं, लेकिन मैं उन्हें सीखने और आगे बढ़ने के अवसरों के रूप में देखती हूं। मुझे लगता है कि मजबूत बने रहने और अपने लक्ष्यों और विश्वासों को ध्यान में रखते हुए मैं और भी मजबूती से वापसी कर सकती हूं। मनोरंजन उद्योग बहुत प्रतिस्पर्धी है, और सुम्बुल इस बात से सहमत हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि प्रासंगिक बने रहना कठिन हो सकता है। इसलिए मैं हमेशा सुर्खियों में बने रहने के दबाव के बजाय अपने काम की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करती हूं। मैं अच्छा काम और सार्थक प्रोजेक्ट लेकर अपने लिए एक स्थायी करियर बनाना चाहती हूं। अंत में मुझे लगता है कि यह सब वास्तविक होने, महत्वाकांक्षी बने रहने और अपने काम को बोलने देने के बारे में है।

फिल्म 'घर' की मालकिन का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरिया सिनेमा की टीआरपी क्वीन अंजना सिंह और चर्चित अभिनेत्री शुभी शर्मा की फिल्म घर की मालकिन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। घर की मालकिन का ट्रेलर बी4यू भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है।नीलाभ तिवारी फिल्म्स (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड के साथ आईवीवाई एंटरटेनमेंट प्रस्तुत इस फिल्म के निर्माता संदीप सिंह एवं नीलाभ तिवारी हैं, जबकि निर्देशक राज किशोर प्रसाद (राजू) हैं। फिल्म घर की मालकिन एक पारिवारिक और सामाजिक कहानी पर आधारित है, जिसमें अंजना सिंह और शुभी शर्मा ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। ट्रेलर में उनकी दमदार अदाकारी और जबरदस्त स्क्रीन प्रजेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। अंजना सिंह ने कहा, घर की मालकिन एक ऐसी फिल्म है जो हर घर की कहानी को दर्शाती है। इसमें हमारे समाज की कई सच्चाईयां छुपी हैं और हमें उम्मीद है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे। शुभी शर्मा ने कहा, फिल्म घर की मालकिन में काम करना एक बेहतरीन अनुभव रहा है। हमारी पूरी टीम ने बहुत मेहनत की है और हमें उम्मीद है कि दर्शकों को हमारी मेहनत पसंद आएगी।

फिल्म के निर्देशक और निर्माता ने बताया कि घर की मालकिन एक मनोरंजक और संदेशप्रद फिल्म है, जो दर्शकों को हंसाने के साथ-साथ सोचने पर भी मजबूर करेगी। फिल्म घर की मालकिन में अंजना सिंह , शुभी शर्मा, ग्लोरी मोहन्ता ,कंचन मिश्रा राकेश बाबू , पंकज मेहता , प्रशांत सिंह राजपूत , विद्या सिंह , भूपेंद्र सिंह , गौरव पंडित और बाल कलाकार चाहत ,स्वस्तिका, कार्तिक राय मुख्य भूमिका में हैं। कांसेप्ट संदीप सिंह,कथा पटकथा एवं संवाद सुरेंद्र मिश्रा , विवेक मिश्रा का है। संगीतकार आर्य शर्मा हैं। संकलन धरम सोनी, छायांकन डी के शर्मा , विजय मंडल और कोरियोग्राफर कानू मुख़र्जी , सोनू प्रीतम हैं।

जियो सिनेमा पर 9 अगस्त से स्ट्रीम होगी 'घुड़चढ़ी'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो संजय दत्त और अभिनेत्री रवीना टंडन की आने वाली फिल्म 'घुड़चढ़ी' ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर 09 अगस्त से स्ट्रीम होगी। निधि दत्त और बिनॉय के गांधी निर्मित 'घुड़चढ़ी' का पहला पोस्टर जारी हो गया है। साथ ही रिलीज डेट का भी एलान कर दिया गया है। 'घुड़चढ़ी' एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें संजय दत्त,रवीना टंडन,पार्थ समथान और खुशाली कुमार की अहम भूमिका है।'घुड़चढ़ी' सिनेमाघरों की बजाय ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर 09 अगस्त से स्ट्रीम होगी। संजय दत्त ने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म घुड़चढ़ी का पोस्टर शेयर किया है।पोस्टर में रवीना-संजय और पार्थ-खुशाली रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। इसके साथ कैप्शन में लिखा गया है, प्यार डबल और कन्फ्यूजन डबल।

एमटीवी के शो कैसी ये यारियां ने इस रविवार को अपनी रिलीज़ के 10 साल पूरे कर लिए हैं। नीति टेलर और पार्थ समथान की मुख्य भूमिकाओं वाले इस शो को अपने समय में बहुत पसंद किया गया था और यह भारतीय टेलीविज़न पर उन बहुत कम शो में से एक है जिसके कई सीज़न हैं। दोनों अभिनेताओं ने शो से बहुत लोकप्रियता हासिल की, जिसके कारण पार्थ को संजय दत्त के साथ बॉलीवुड फिल्म में मुख्य भूमिका मिली। उनकी फिल्म 'घुड़चढ़ी' को भी आखिरकार रिलीज़ डेट मिल गई है।संजय दत्त और रवीना टंडन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'घुड़चढ़ी' का प्रीमियर 9 अगस्त को ओटीटी पर होगा। इसमें पार्थ समथान और खुशाली कुमार भी हैं। यह रोमांटिक कॉमेडी जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगी। सीनियर एक्टर संजय दत्त ने अपने एक्स अकाउंट पर अपनी फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, डबल द प्यार = डबल द कन्फ्यूजन! देखिए घुड़चढ़ी, 9 अगस्त से स्ट्रीमिंग, एक्सक्लूसिव तौर पर जियोसिनेमा प्रीमियम पर। जहां खुशाली कुमार पार्थ के साथ नजर आएंगी, वहीं रवीना टंडन दो दशक बाद 'जीना मरना तेरे संग' के को-स्टार संजय दत्त के साथ फिर से नजर आएंगी।

घुड़चढ़ी को दीपक कपूर भारद्वाज और बिनॉय गांधी ने लिखा है। फिल्म का निर्देशन बिनॉय गांधी ने किया है। संजय दत्त, रवीना टंडन, पार्थ समथान और खुशाली कुमार के अलावा अरुणा ईरानी, ङ्कङ्कअचिंत कौर और नवनी परिहार जैसे कई अन्य कलाकार सहायक भूमिकाओं में नज़र आएंगे। यह फिल्म 9 अगस्त को जियो सिनेमा पर रिलीज़ होगी।

पार्थ समथान जब से टीवी पर आए हैं, तब से वे सभी के दिलों की धड़कन बने हुए हैं। उन्होंने 2012 में वी चैनल के शो 'बेस्ट फ्रेंड्स फॉरएवर?' से अपनी शुरुआत की। बाद में उन्होंने टीवी के कैसी ये यारियां में काम किया और माणिक मल्होत्रा के रूप में काफी लोकप्रियता हासिल की। उन्होंने इस शो के ओटीटी सीज़न के साथ अपना ओटीटी डेब्यू भी किया और बाद में टीवी सीरीज़ मैं हीरो बोल रहा हूँ में भी नज़र आए। पार्थ ने एकता कपूर की कसौटी ज़िंदगी की में एरिका फ़र्नांडीज़ के साथ भी काम किया। हालाँकि, उन्हें माणिक मल्होत्रा के रूप में उनकी भूमिका के लिए सबसे ज्यादा याद किया जाता है, खासकर नीति टेलर के साथ उनकी केमिस्ट्री के लिए, जो एक टीवी अदाकारा हैं, जिन्होंने नकुल मेहता अभिनीत बड़े अच्छे लगते हैं और झलक दिखला जा 10 में अभिनय किया है।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अहोभाव अंदर से पूरी तरह से सकारात्मकता, प्रसन्नता, आल्हाद, प्रमोद से भर देता है। यह प्रमोद गुणीजनों के प्रति होता है। यह सबसे पहले हमारे शरीर में प्रतिकार क्षमता बढ़ाता है। इम्यूनिटी को मानसिक, शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है। यदि हमारे मन में हताशा, निराशा है तो प्रमोद भाव आने से वह दूर हो जाती है। प्रसन्नता भीतर प्रवेश कर लेती है। यह मानसिक रूप से दृढ़ता बढ़ाता है। तीर्थंकर भगवान के प्रति अहोभाव आने से अनादिकाल से अंदर रही हुई विषमताएं दूर हो जाती है। इससे सम्यक दर्शन की शुद्धि होती है।

त्रिलोकऋषि सच्चे साधक, लेखक, रचनाकार ही नहीं, चित्रकार भी थे : युवाचार्य महेंद्रऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ के तत्वावधान एवं एएमकेएम में विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में त्रिलोक ऋषिजी की गुणानुवाद सभा आयोजित हुई। युवाचार्यश्री ने कहा कि त्रिलोक ऋषिजी का जन्म 175 वर्ष पहले हुआ। बचपन में जिनवाणी श्रवण करते हुए उनका संयम के प्रति उत्साह जगा और दस वर्ष की उम्र में दीक्षा हुई। उन्होंने 32 में से 17 आगमों का अध्ययन किया। 2000 गाथा से परिपूर्ण उत्तराध्ययन सूत्र को साढ़े तीन घंटे में कंठस्थ कर लिया। उन्होंने हजारों पेज लिखे और उनमें एक समान मोती जैसे अक्षर होते थे।

युवाचार्य प्रवर ने कहा कि उनकी लेखनी ऐसी थी कि एक पेज में 700 गाथा लिख दी। उन्होंने आगम के रहस्यों को सरल शब्दों में दिया। वे सच्चे साधक, लेखक, रचनाकार ही नहीं, चित्रकार भी थे। उन्होंने ज्ञान कुंज चित्र को बनाया जिसमें एक भी रेखा नहीं है और वह बहुत बड़ा संदेश देता है। वे बहुत बड़े साधक थे। उन्होंने ज्योतिचक्र बनाया जिसमें जिनवाणी साधना की महिमा समाहित है। वे ऐसे महापुरुष थे, जिन्होंने दक्षिण का द्वार खोला। वे 36 वर्ष ही जीएं लेकिन इतना काम कर लिया कि दीर्घायु व्यक्ति भी नहीं कर सकता। 140 वर्ष पहले अहमदनगर में उनका देवलोकगमन हुआ। आज हम जो भी हैं, उन महापुरूषों के उपकार की वजह से है। आज एक संकल्प लेना है कि ज्ञानार्जन में प्रमाद नहीं करेंगे, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

महासती अणिमाश्री जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संत– ऋषियों की धरती है, जिनका जीवन तो कम लेकिन काम बड़े हुआ करते थे। उनके अनंत उपकार समाज पर रहे हुए हैं। आज का दिन ऐसे महापुरुष की याद में बिताया जाता है जिन्होंने हर क्षमता, पुरुषार्थ को समाज के लिए उद्घाटित किया। उन्होंने सरल भाषा में प्रभु की वाणी को आम जनता तक पहुंचाया। वे कलाप्रेमी व कवि हृदय थे। वे दोनों हाथों व दोनों पैरों से लिख पाते थे। उनके प्रवचन वैराग्य उत्पादक थे। उन्होंने अपने जीवन में 27000 कविताओं की रचना की। जब किसी महापुरुष की जयंती आती है तो वह अवसर उनके सद्गुणों को ग्रहण करने का है। कमल छल्लाणी ने सभा का संचालन किया।

सुराणा स्कूल में गुरु पूर्णिमा उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के सुराणा स्कूल में गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में शिक्षा निर्देशिका जयंती बालाचंद्रन के मार्गदर्शन में गुरुपूर्णिमा पर्व पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं समेत सभी छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे नृत्य, गायन, भाषण, स्वरचित कविता, ग्रीटिंग कार्ड गुरु महिमा से सुसज्जित प्ल कार्ड, सूक्तियाँ आदि के साथ–साथ हिंदी नाटिका जीवन में गुरु का महत्त्व की प्रस्तुति दी। जयंती बालाचंद्रन ने कहा कि जीवन में अनुशासन एवं नैतिकता अत्यावश्यक है। मानव मूल्यों एवं नैतिक गुणों का विकास करने के लिए और मानव जीवन को सफल बनाने के लिए अनुशासन का होना अति आवश्यक है। इतिहास गवाह है कि आज तक जितने सफल महापुरुष हुए हैं उन्होंने अपने जीवन में अनुशासन को सर्वप्रथम स्थान दिया है और उन महापुरुषों के अनुसार जीवन में सफलता का नींव ही अनुशासन है। उदाहरण के लिए शक्तिशाली सम्राटों के भी जीवन में अपने माता–पिता एवं गुरु के बताए हुए मार्ग पर अनुशासन के कारण ही आगे बढ़ पाए और सफल हो पाए।

प्रधानाचार्या शशि कला ने अपने संदेश में कहा कि जीवन में गुरु का विशेष महत्व है। गुरु की कृपा से जीवन सरल हो जाता है और बड़े से बड़ा लक्ष्य भी आसानी से प्राप्त हो जाता है, इसलिए हमें अपने माता–पिता, गुरु और बड़ों का हमेशा सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर श्रावण मास के महत्त्व को समझते हुए कक्षा नवीं के विद्यार्थियों ने भगवान शिव शंकर का रूप धारण कर मनोहर झांकी सजाई गई और श्री शिव रुद्राष्टकम स्तुति की प्रस्तुति दी।

एकल के सदस्यों ने एकल सुर-ताल में दी प्रस्तुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी के तत्वावधान में विभिन्न प्रदेशों के एकल सदस्यों ने एकजुट होकर चेन्नई में दो दिवसीय कार्यक्रम संगीत में सुंदरकांड एवं एकल सुर एकल ताल का आयोजन किया।। पहला कार्यक्रम कोला सरस्वती में और दूसरा कार्यक्रम वैष्णव कॉलेज के प्रांगण में हुआ। अध्यक्ष प्रवीण टाटिया द्वारा स्वागत भाषण दिया गया।। मंत्री गिरी बागड़ी ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में एकल के 14 कलाकारों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर विमला दमानी, शिवप्रकाश बाहेती, कृष्णकुमार माहेश्वरी, बालसुब्रमण्यम आदि उपस्थित थे।

महावीर की वाणी हमेशा नूतन व चैतन्य : साध्वीश्री राजमती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 'मनुष्य के कपड़े, विचार, आदतें आदि प्रतिदिन बदलती रहती है लेकिन प्रभु महावीर की वाणी हमेशा नई रहती है, वो हमारे जीवन में हमेशा उपयोगी रहती हैं।' यह विचार साहुकारपेट संघ में चातुर्मासरत साध्वीश्री राजमतीजी ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर खुद मोक्षगामी हैं और वे अन्य मानवों को भी मोक्ष का मार्ग बताते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान और गुरु केवल मोक्ष का मार्ग बता सकते हैं, उस पर चलने का दायित्व मनुष्यों का हैं। साध्वीश्री ने नवकार मन्त्र के प्रति सच्ची भावना, विश्वास, श्रद्धा और भक्ति रखने की अपील की। इससे पूर्व साध्वी विनयश्रीजीने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति मोक्ष की प्राप्ति करना चाहता है लेकिन केवल चाहने से मोक्ष की प्राप्ति नही होती है। मोक्ष की प्राप्ति के लिए उनकी वाणी को जीवन में धारण करना आवश्यक है। उन्होने आचार्य श्री जयमल जी महाराज सा का उदाहरण देते हुए कहा कि, कि राज मात्य होने के बावजूद उन्होंने, साधना का मार्ग पहचान कर केवल एक प्रवचन से संयम धारण कर लिया था। उसी तरह मनुष्य के भी वैसे तो प्रतिदिन प्रवचन सुनने से भी कुछ असर नहीं पड़ता है, लेकिन जब पुण्योंदय और भाग्योदय जागृत होते हैं, तब वह प्रवचन के कुछ अंशो को भी अपना कर अपना जीवन सार्थक कर सकता हैं। धर्मसभा का संचालन करते हुए महामंत्री संजय पिंचा ने लोगों से प्रवचन से संबधित कुछ सवाल जवाब पूछे।

दादी परिवार द्वारा सावन सिंजारा उत्सव एवं दादी का मंगल पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। स्थानीय दादी परिवार द्वारा गणेश मंदिर रायपुरम में राणी सती दादी का मंगल पाठ, सिंजारा उत्सव व मंगलपाठ का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु उपस्थित थीं जिन्होंने भजनों से राणी सती का गुणगान किया।

दादी परिवार की अध्यक्ष शीलाशाह,सरोज पत्ती, प्रभा तोदी, वीरा कामदार, मीनाक्षी सरावगी, मनीषा अग्रवाल, चंदा डीडवानिया, सरिता तुलस्यान, सुमन गुप्ता, आदि उपस्थित थीं। इस मौके पर सभी भक्तों को महाप्रसाद वितरण किया गया।

जैन तेरापंथ नगर सोसाइटी माधवरम मे नेत्र जांच शिविर सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल चेन्नई नॉर्थ टाउन द्वारा एवम चेन्नई मेट्रो के सहयोग से गोल्डन जुबली पूरे होने के उपलक्ष्य में निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन शांतिलाल संजयकुमारचौधरी के सहयोग से सम्पन्न हुआ जिसमें अग्रवाल नेत्रालय अस्पताल की टीम द्वारा 141 लोगों की आंखो की जांच की गई। शिविर में 61 लोगों की आंखे कमजोर पाई गई उनको चश्मे बना कर दिए जाएंगे एवं3 लोगो को मोतियाबिंद पाया गया उनका फ्री ऑपरेशन करवाया जायेगा। शिविर में नॉर्थ टाऊन, वाइस चेयरमैन शांतिलाल चौधरी, मंत्री रमेश नाहटा, सहसचिव महावीरचंद सबदड़ा, निर्मल तातेड, राजेन्द्र शर्मा, महेश शर्मा आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

स्वाध्याय भवन में हुआ जम्बुकुमार चरित्र का पूर्ण वांचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु के तत्वावधान में आचार्य हस्ती द्वारा विरचित जम्बुकुमार चरित्र कथा काव्य का मूल, विवेचन सहित पूर्ण वांचन वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने किया।

स्वाध्यायी ने जम्बुकुमार जीवन चरित्र के अंतर्गत पूर्व भवों का वर्णन, भगवान महावीर के पांचवें गणधर आर्य सुधर्मा स्वामी के राजगृही मे आगमन व धर्मोपदेश, जम्बुकुमार के परम वैराग्य का वैभव,दोनों के मध्य विस्तृत संवाद,माता–पिता के संग संवाद, आठ कन्याओं के संग परिणय बंधन व प्रथम रात्रि में ही आठों कन्याओं के संग संवाद व प्रतिबोध, राजकुमार विधाधर प्रभव को दिए प्रतिबोध का सुन्दर वर्णन किया।

श्रावक संघ तमिलनाडु के कार्याध्यक्ष नरेन्द्र कांकरिया ने बताया कि जम्बुस्वामी 16 वय की आयु मे दीक्षित हुए व 64 वर्षो की साधु पर्याय रही । उनकी केवली पर्याय 44 वर्षो की रही । काल खण्ड की अपेक्षा से अवसर्पिणी काल के अंतिम केवली के रुप मे जम्बूस्वामी थे। धर्मसभा में इंदरचंद कर्नावट, कान्तिलाल तातेड़, दीपक श्रीश्रीमाल, महावीरचन्द छाजेड़, रुपराज सेठिया, गौतमचन्द मुणोत, चंपालाल बोथरा, नवरतनमल चोरडिया आदि श्रावकों की सामायिक परिवेश में उपस्थिति रही।

जीवन कल्याण के लिए साधन अस्थाई तथा साधना स्थाई है : साध्वी प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ मैलापुर में चातुसार्थ विराजित साध्वी डॉ.प्रतिभा श्री ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपको साधन चाहिए या साधना चाहिए? साधना तीर्थकर भगवान महावीर स्वामी गर्भ में आये तो खजाने में वृध्दि हुई। ज्ञानी कहते है साधन अस्थाई तथा साधना स्थाई है। साधन इस भव मे साथ है पर साधना पर भव में साथ जाएगी। मोबाइल को एक घण्टे चार्ज करते हो तो 23 घंटे तक काम आता है। लाकेट, पाकेट व जाकेट ये तीन चीज हमें जीवन में चाहिए। अर्थात लाकेज यानी सोनी, पॉकेट यानी पैसा और जॉकेट यानी परिधान । जीवन में ये तीनों चीजें बहुत जरुरी है पर ये सभी साधन है और साधना हमारे अंदर है । आपकी ड्रेस बहुत है पर अड्रेस एक है जबकि साधु–साध्वी की ड्रेस एक है पर अड्रेस अलग–अलग है। जीवन में साधन का त्याग करना है, जीवन को साधनामय बनना है।

साध्वी ऋषिताश्री ने प्रवचन में श्रद्धालुओं से कहा कि जीव संसार के भौतिक सुख–सुविधा में उलझ गया है, भौतिक सुख, सुविधा सुख के साथ कई गुना दुःख देने वाला है।

परमात्मा ने दो मार्ग बताये है श्रमणोपसक का मार्ग श्रमण का मार्ग । श्रमण नहीं बन सकते है तो श्रावक धर्म को अंगीकार करना है।

यह जानकारी मैलापुर संघ के अध्यक्ष शांतिलाल चौरडिया ने दी। धर्म सभा का संचालन दिलीप कुमार रांका ने किया।

जयगोपाल गरोडिया विवेकानन्द विद्यालय में मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय जयगोपाल गरोडिया विवेकानंद विद्यालय, अन्नानगर के विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में गुरु पूर्णिमा मनाई। जीवन में गुरु और शिक्षक के महत्व को याद करने का एक महत्वपूर्ण दिन है गुरु पूर्णिमा। सहायक प्रोफेसर डॉ. आर. अभिरामसुंदरी व संगीत विभाग (सेवानिवृत्त) की क्वीन मैरी मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि, जेजीवीवी ट्रस्ट के अकादमिक निदेशक विजयकुमार और प्राचार्या सुश्री एम. उमा द्वारा दीप प्रज्वलित करके की गई। विद्यार्थियों ने इस मौका पर एक घंटे का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें गुरु के बारे में गीत, गुरु पर एक हिंदी भाषण, गुरु वंदना एक नृत्य और गुरु महिमा, एक तमिल नाटक की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि डॉ. आर. अभिरामसुंदरी ने जीवन में गुरु के महत्व के बारे में बताया और कुछ सुंदर गीत प्रस्तुत किए।

विनय पूर्वक नमस्कार करने से प्रत्येक कार्य सिद्ध होते हैं : साध्वी स्वर्णांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि मंगलवार को संघ के अन्दर ज्ञान पूजा की गई है, हम सभी को चातुर्मास काल में स्वाध्याय में डूब जाना है। चातुर्मास में वांचन किए जाने वाले उपदेश सप्ततिका ग्रन्थ की रचना तृतीय दादा गुरुदेव श्री जिन कुशल सूरीश्वर जी के प्रशिष्य मुनि क्षेमराज द्वारा पन्द्रहवीं शताब्दी में की गई है। उपदेश सप्ततिका ग्रन्थ संस्कृत और प्राकृत भाषा में है और इसका हिन्दी अनुवाद उपाध्याय मनितप्रभसागरजी ने किया है। इसी के साथ आप्त पुरूषों की सुविहित परम्परा पट्टावली का वांचन भी किया जाएगा। परमात्मा महावीर ने चण्डकौशिक सर्प को प्रतिबोध दिया। सर्प ने जैसे ही परमात्मा को डंक लगाया, उसी समय महावीर ने शांत रहने का उपदेश दिया, यह शब्द सुनते ही चण्ड कौशिक को जाति स्मरण ज्ञान हुआ और चण्ड कौशिक भद्र कौशिक में परिवर्तित हो गया तथा तिर्यंच गति से सीधे आठवें देवलोक में पहुंच गया।

साध्वीवर्या ने कहा कि विनय पूर्वक नमस्कार करने से प्रत्येक कार्य सिद्ध होते हैं। आज प्रवचन के पूर्व धर्मीदेवी छगनराज भन्साली परिवार द्वारा गुरुवर्याश्री को उपदेश सप्ततिका ग्रन्थ वोहराया गया। गिरधारीलाल बाबूलाल मेहता परिवार द्वारा सुविहित पट्टावली ग्रन्थ वोहराया गया। शान्तिदेवी चुन्नीलाल गुलेच्छा, नैनमल केसरीमल चौहान, लक्ष्मीदेवी दीपककुमार छाजेड़, रेखादेवी विनोदकुमार चौपड़ा और संघवी कुशलराज उत्तमचंद गुलेच्छा परिवार द्वारा पांच ज्ञान मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मनपर्यव ज्ञान और केवलज्ञान पूजा की गई।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.